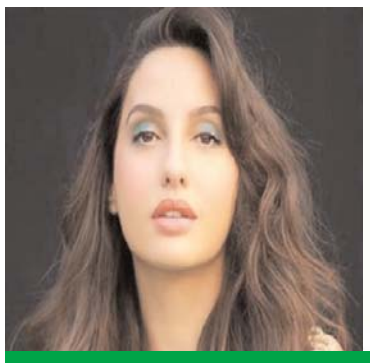

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 127 | ग्वालियर, शुक्रवार 15 मई 2020 | पृष्ठ: 08- मूल्य: 2 रु.

थोक महंगाई दर में गिरावट

अप्रैल में महज 0.79 प्रतिशत रही मुद्रास्फीति

नई दिल्ली। ईंधन, ऊर्जा और खाने-पीने की चीजों की कीमतों में कमी की वजह से अप्रैल में थोक महंगाई दर 0.79 फीसदी रही, जबकि मार्च में 3.72 फीसदी थी। सरकार ने थोक मुद्रास्फीति के आंकडे जारी करते हुए बताया कि कोरोना महामारी के कारण लागू लॉकडाऊन की वजह से आंकड़ों का पूरी तरह से संग्रहण नहीं हो पाया है।

कोरोना महामारी के कारण लागू लॉकडाऊन की वजह से आंकड़ों का पूरी तरह से संग्रहण नहीं हो पाया है। मंडियां पूरी तरह से बंद हैं। इनके खुलने के बाद अंतिम आंकडे संशोधित होंगे। अभी तक सीमित आंकड़े ही जुटाए जा सके हैं। मुद्रास्फीति की दर के लिए प्रति सप्ताह जुटाए जाते हैं। मार्च के तीसरे सप्ताह से यह काम बंद है। कार्यालयों में कर्मचारियों की कमी है

जिसके कारण उपलब्ध आंकडों का विश्लेषण नहीं हो सका है। सीमित आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2020 में प्राथमिक वस्तुओं की थोक मुद्रास्फीति दर 0.79 प्रतिशत रही है। इसी तरह ईंधन और ऊर्जा की कीमतों में 10.20 प्रतिशत की कमी आई है। आंकड़ों में कहा गया है कि आलोच्य माह में मोटे अनाज की थोक कीमतों में 2.74 प्रतिशत ,धान 1.40 प्रतिशत, गेहूं 7.26 प्रतिशत, दाल 12.31 प्रतिशत, साग सब्जी 2.22 प्रतिशत, आलू 69.40 प्रतिशत, प्याज 73.52 प्रतिशत और अंडा, मांस, मछली 5.87 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। फलों में कीमतों में 1.69 प्रतिशत की गिरावट आई है।

पालघर मॉब लिंचिंग: जबरन छुट्टी पर भेजे गए एसपी की वापसी के लिए ऑनलाइन कैम्पेन

मुंबई। पालघर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) गौरव सिंह को अचानक से छुट्टी पर भेजे जाने के पांच दिन बाद वहां के स्थानीय लोगों ने उन्हें फिर से वापस लाने के लिए एक ऑनलाइन कैम्पेन शुरू किया है। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने एक आदेश जारी किया था, जिसके बाद आईपीएस अधिकारी को जबरन छुट्टी पर भेज दिया गया। वे पालघर भीड़ हत्या (मॉब लिंचिंग) मामले से जुड़े थे, जिसमें तीन लोगों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी।

पालघर में जिम चलाने वाले सुजीत सिंह और एक सामाजिक कार्यकर्ता करण चौधरी ने पालघर एसपी की वापसी के लिए एक ऑनलाइन याचिका लॉन्च की है। उन्होंने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्य मंत्री उद्धव ठाकरे और अन्य नेताओं से अपील की है कि वे सिंह को फिर से बतौर एसपी पालघर भेजें। यह घटना 16 अप्रैल को गडचिंचले गांव में हुई थी। दो साधु मुंबई से एक कार से अंतिम संस्कार में हिस्सा लेने सूरत जा रहे थे। उनका चालक भी उनके साथ था। गांव में एक भीड़ ने उन्हें रोका और बच्चा चोर होने के संदेह में पीट-पीटकर हत्या कर दी। यहां तक कि घटनास्थल पर कुछ पुलिसकर्मी भी

पहुंच चुके थे।

पालघर लिंचिंग- कोर्ट ने 51 आरोपियों को पुलिस हिरासत में भेजा- वहीं, महाराष्ट्र के पालघर में पिछले महीने हुई दो साधुओं समेत तीन लोगों की लिंचिंग के मामले में बुधवार (13 मई) को स्थानीय अदालत ने 51 आरोपियों को पुलिस हिरासत में भेजा है। आरोपियों को न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) एम वी जवाले के समक्ष पेश किया गया था। इस घटना के मद्देनजर पालघर जिला ग्रामीण पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में तीन प्राथमिकियां दर्ज की हैं। पहली प्राथमिकी के संबंध में अदालत ने सात में से छह आरोपियों को 19 मई तक की पुलिस हिरासत में भेज दिया है, जबकि एक किशोर आरोपी को किशोर न्याय बोर्ड के पास भेजा गया। पुलिस पर हमले और हत्या के प्रयास में दर्ज हुई दूसरी प्राथमिकी के संबंध में सभी 106 आरोपियों को अदालत के सामने पेश किया गया। जिनमें से पांच आरोपियों को 16 मई तक की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया, जबकि बाकी 101 आरोपी न्यायिक हिरासत में भेजे गए। इसी बीच, पुलिस ने तीसरी प्राथमिकी के सिलसिले में 101 लोगों को हिरासत में लिया, जिनमें से 40 आरोपियों को 18 मई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया। स्थानीय पुलिस और राज्य क्राइम ब्रांच ने इस घटना के संबंध में कुल 134 लोगों को गिरफ्तार किया था।

1 मई से अब तक 800 ट्रेनों से 10 लाख श्रमिकों को इंडियन रेलवे ने गृह राज्य पहुंचाया

नई दिल्ली। कोरोना लॉकडाउन के चलते फंसे हुए मजदूरों को उनके गृह राज्य पहुंचाने के लिए इंडियन रेलवे की तरफ से देशभर में श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलाई गई। रेलवे के मुताबिक, 1 मई से अब तक 800 श्रमिक ट्रेनें चलाई गई है और इस दौरान 10 लाख प्रवासी मजदूरों को उनके गृह राज्य पहुंचाया गया है। गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण के चलते लॉकडाउन 25 मई से देशभर में लागू किया गई थी। उसके बाद से ट्रेन, बस और हवाई तीनों सेवाएं बंद हो गई थी जिसकी वजह से सबसे ज्यादा दिक्कत का सामना इन मजदूरों को करना पड़ा।

30 जून तक की यात्रा के लिए बुक सभी रेग्युलर ट्रेनों के टिकट कैंसल- रेलवे ने 30 जून तक की यात्रा के लिए पहले से बुक सभी टिकटों को कैंसल कर दिया है। रेल मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि सभी टिकटों पर फुल रिफंड दिया जाएगा यानी यात्रियों से कैंसिलेशन चार्ज वसूल नहीं किया

जाएगा। रलेवे बोर्ड पैसेंजर मार्केटिंग डायरेक्टर की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि मेल, एक्सप्रेस, पैसेंजर और उपनगरीय सहित सभी ट्रेनों को कैंसल कर दिया गया है।

हालांकि, श्रमिक स्पेशल ट्रेनों और 12 मई से शुरू की गई स्पेशल ट्रेनें चलती रहेंगी। इन ट्रेनों के टिकट नहीं कैंसल किए गए हैं। 17 मई तक अन्य सभी ट्रेनों के टिकट पहले ही कैंसल किए जा चुके थे। इसके अलावा रेलवे ने रेगुलर ट्रेनों के टिकट बुकिंग पर भी रोक लगा रखी है। कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए देश में 24 मार्च से लॉकडाउन लागू करने के साथ ही पैसेंजर ट्रेनों का संचालन भी रोक दिया गया था। इस बीच मालगाड़ियां दौड़ती रहीं। 12 मार्च से रेलवे ने नई दिल्ली से देश के 15 रूटों पर 15 जोड़ी ट्रेनों की शुरुआत की है। काफी एहतियात और जांच पड़ताल के बाद यात्री इन ट्रेनों में सफर कर रहे हैं। इससे पहले रेलवे बोर्ड ने बुधवार को वर्तमान विशेष ट्रेनों में यात्रा के लिए 22 मई से प्रतीक्षा सूची का प्रावधान शुरू किया है। वर्तमान विशेष ट्रेनों में केवल कंफर्म टिकट बुक किए जा रहे हैं, वहीं 22 मई से शुरू हो रही यात्राओं के वास्ते 15 मई से टिकटों की बुकिंग में प्रतीक्षा सूची में टिकट बुक कराने का प्रावधान होगा।

एक साल में ही मिलेगा ग्रेच्युटी का लाभ, लेबर कोड में सरकार ने किए कई अहम प्रावधान: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को आत्म निर्भर भारत मिशन के तहत 20 लाख करोड़ रुपए के पैकेज की दूसरी किस्त का ऐलान किया। इस दौरान वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार लेबर कोड के जरिए श्रमिकों के हित में बड़े बदलाव करने जा रही है। उन्होंने बताया कि यह अभी संसद में लंबित है और वहां से पास होने के बाद श्रमिकों को इसका लाभ मिलेगा। इसमें यह भी प्रवधान किया गया है कि ग्रेच्युटी का लाभ कर्मचारियों को 5 साल की बजाय एक साल की नौकरी के बाद ही मिलने लगेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार लेबर कोड के जरिए देशभर में सभी कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन दिलाएगी। अभी केवल 30 पर्सेंट कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन मिल पाता है। सरकार लेबर कोड पर काम कर रही है इसके तहत सभी कर्मचारियों के लिए न्यूनतम वेतन तय किया जाएगा।

कोरोना बन रहा है बाल अधिकारों के लिए संकट

हर रोज मारे जा सकते हैं 6,000 बच्चे : यूनिसेफ

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने सचेत किया है कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण स्वास्थ्य प्रणाली कमजोर हो जाने और नियमित सेवाएं बाधित हो जाने के कारण आगामी छह महीने में रोजाना करीब 6,000 अतिरिक्त बच्चों की ऐसे कारणों से मौत हो सकती है, जिन्हें रोका जा सकता है। उसने कहा है कि पांचवां जन्मदिन मनाने से पहले विश्वभर में मारे जाने वाले बच्चों की संख्या में दशकों में पहली बार बढ़ोतरी होने की आशंका है। यूनिसेफ ने इस वैश्विक महामारी से प्रभावित बच्चों को मानवीय सहायता मुहैया कराने के लिए 1.6 अरब डॉलर की मदद मांगी है। उसने कहा कि यह स्वास्थ्य संगठन तेजी से बाल अधिकार संकट बनता जा रहा है और तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो पांच साल से कम उम्र के और 6,000 बच्चों की रोजाना मौत हो सकती है। यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक हेनरीटा फोरे ने मंगलवार को कहा, स्कूल बंद हैं, अभिभावकों के पास काम नहीं है और परिवार चिंतित हैं। उन्होंने कहा, जब हम कोविड-19 के बाद की दुनिया की कल्पना कर रहे हैं, ऐसे में ये फंड संकट से निपटने और इसके प्रभाव से बच्चों की रक्षा करने में हमारी मदद करेंगे। रोके जा सकने जाने वाले कारणों से

आगामी छह महीने में 6,000 और बच्चों की मौत का अनुमान अमेरिका स्थित जॉन्स हॉप्किन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के अनुसंधानकर्ताओं के विश्लेषण पर आधारित है। यह विश्लेषण बुधवार को लांसेट ग्लोबल हेल्थ पत्रिका में प्रकाशित हुआ। फोरे ने कहा कि सबसे खराब बात यह है कि पांचवें जन्मदिन से पहले मारे जाने वाले बच्चों की संख्या दशकों में पहली बार बढ़ सकती है। इसके अलावा छह महीनों में करीब 56,700 और मांओं की मौत हो सकती है।

कोरोना वायरस के खिलाफ आयुष दवाओं का ट्रायल 7 दिनों के भीतर शुरू होगा: केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय और वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) संयुक्त तौर पर आयुष के उन चार दवाइयों पर साथ काम कर रहे हैं, जिनका इस्तेमाल कोरोना वायरस (कोविड-19) के इलाज में किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री श्रीपद वाई नाइक ने गुरुवार (14 मई) को ट्विटर पर यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि सभी दवाओं का ट्रायल एक सप्ताह के भीतर ही शुरू हो जाएगा। नाइक ने ट्वीट किया, आयुष मंत्रालय और सीएसआइआर कोरोना के खिलाफ आयुष फॉर्मूले पर साथ में काम कर रहे हैं और एक सप्ताह के भीतर इसका परीक्षण शुरू हो जाएगा। इनका इस्तेमाल कोविड-19 मरीजों पर एड ऑन थेरेपी और स्टैंडर्ड केयर के तौर पर किया जाएगा। मुझे यकीन और उम्मीद है कि हमारी परंपरागत औषधीय प्रणाली इस महामारी से निकलने में रास्ता दिखाएगी। वहीं, देश में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का संक्रमण तेजी से फैल रहा है और पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 3722 नए मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या 78003 हो गई तथा इस दौरान 134 लोगों की मौत होने से मरने वालों का आंकड़ा 2549 पर पहुंच गया। संक्रमितों की संख्या 78 हजार के पार होने के बाद भारत 50 हजार से अधिक संक्रमण के आंकड़ों वाले देशों की सूची में 12वें स्थान पर पहुंच गया है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार (14 मई) सुबह जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक देश के विभिन्न राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में अब तक 78003 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं तथा 2549 लोगों की मौत हुई है। वहीं अब तक 26235 लोग इसके संक्रमण से पूरी तरह ठीक हुए हैं और उन्हें विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई है। देश में कोरोना से सबसे अधिक महाराष्ट्र प्रभावित हुआ है और इसके कारण राज्य की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। महाराष्ट्र में 25922 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं तथा 975 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं राज्य में 5547 लोग इसके संक्रमण से ठीक भी हुए हैं।

कोविड-19: शिवसेना ने आर्थिक पैकेज पर पूछा, क्या भारत अभी आत्मनिर्भर नहीं है?

नई दिल्ली। शिवसेना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज पर सवाल खड़े करते हुए पूछा कि क्या भारत अभी आत्मनिर्भर नहीं है। शिवसेना के मुखपत्र सामना में पूछा गया है कि 20 लाख करोड़ रुपये का प्रबंध कैसे किया जाएगा। पार्टी ने अपने मुखपत्र में कहा कि एक ऐसा माहौल तैयार करने की जरूरत है जहां उद्योगपतियों, कारोबारियों और बिजनेस क्षेत्रों को निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाए। सामना में कहा गया कि आत्मनिर्भरता के इस नए रास्ते पर भारत उद्योगपतियों के देश से बाहर चले जाना वहन नहीं कर सकता है और इसके लिए कुछ समय तक प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो जैसी राजनीतिक संस्थाओं पर विराम लगाया जाना चाहिए। शिवसेना ने कहा कि देश को बताया जा रहा है कि यह पैकेज लघु, छोटे और मध्यम प्रतिष्ठानों, गरीब श्रमिकों, किसानों और आयकर देने वाले मध्य वर्ग को फायदा पहुंचाएगा।

गरीबों के लिए बड़ा ऐलान

बिना राशन कार्ड वालों को 5 किलो मुफ्त अनाज देगी सरकार

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने गरीबों के लिए बड़ा कदम उठाते हुए अगले दो महीने तक सभी प्रवासी मजदूरों को बिना कार्ड के ही 5 किलो प्रति व्यक्ति गेहूं या चावल और एक किलो चना प्रति परिवार देने का फैसला किया है। केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि इससे करीब 8 करोड़ प्रवासियों को फायदा होगा। इस पर करीब 3500 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसका पूरा खर्च केंद्र सरकार उठाएगी।

वित्तमंत्री ने ऐलान किया है कि उन्होंने कहा कि वन नेशन वन राशन कार्ड को अगस्त 2020 तक लागू किया जाएगा। इसके बाद जो प्रवासी मजदूर देश के किसी भी कोने में हैं अपने राशन कार्ड से राशन डिपो जाकर राशन ले सकते हैं। ये राशन कार्ड किसी भी राज्य का हो, देश में हर जगह मान्य रहेगा। इससे 23 राज्यों को 67 करोड़ लोगों को फायदा मिलेगा।

पीडीएस योजना के 83 फीसदी लाभार्थी इससे जुड़ जाएंगे। मार्च 2021 तक इसमें 100 फीसदी लाभार्थी जुड़ जाएंगे। देश के किसी भी कोने में लोग अपने राशन कार्ड से उचित मूल्य दुकान से राशन ले सकते हैं। रेहड़ी-पटरी और ठेले पर समान बेचने वाले 50 लाख लोगों को लोन देने के लिए 5 हजार करोड़ लोन की व्यवस्था की गई है। इस स्कीम में प्रति व्यक्ति अधिकतम 10 हजार रुपये लोन मिलेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत होम लोन पर मिडल क्लास को मिलने वाली सब्सिडी की इंसेंटिव को 31 मई 2020 तक के लिए बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा 25 लाख नए किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए गए हैं। इन पर लोन लिमिट 25 करोड़ होगी।

-ग्रामीण इलाकों में मार्च और अप्रैल महीने में 63 लाख ऋण मंजूर किए गए, जो करीब 86 हजार 600 करोड़ रुपए का है। गांव में कॉओपरेटिव बैंक की महत्वपूर्ण भूमिका है। इनमें मार्च 2020 में नाबार्ड ने 29 हजार 500 करोड़ रुपए की रिफाइनैसिंग की है। रूरल इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 4200 करोड़ रुपये मार्च 2020 तक दिए गए हैं।

रेहड़ी-पटरी और ठेले पर समान बेचने वाले 50 लाख लोगों को लोन देगी केंद्र सरकार, आर्थिक पैकेज में 5000 करोड़ का आवंटन

नई दिल्ली। कोरोना संकट से बिगड़ी देश की अर्थव्यवस्था को ठीक करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान की शुरुआत की है। इसके तहत 20 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज की भी घोषणा की गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज लगातार दूसरे दिन इसकी विस्तार से देश को जानकारी दी है। इस पैकेज में सरकार हर वर्ग का ख्याल रखने की कोशिश कर रही है। वित्त मंत्री ने बताया कि रेहड़ी-पटरी और ठेले पर समान बेचने वाले 50 लाख लोगों को लोन देने के लिए 5 हजार करोड़ रुपए की व्यवस्था आर्थिक पैकेज के तहत की गई है। इस स्कीम में प्रति व्यक्ति अधिकतम 10 हजार रुपये का लोन मिलेगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि रेहड़ी, पटरी, फेरीवालों के लिए सरकार एक महीने में ऋण योजना लाएगी। इसके तहत 50 लाख फेरीवालों को 5 हजार करोड़ रुपए की ऋण सहायता दी जाएगी। ये आसानी से 10 हजार रुपए तक का

ऋण ले सकते हैं। इससे कि लॉकडाउन खत्म होने के बाद वे अपना काम दोबारा शुरू कर सकें। मोबाइल से पेमेंट करने वाले ऐसे फेरीवालों को प्रोत्साहन दिया जाएगा और आने वाले समय में उन्हें अतिरिक्त लोन मिल सकेगा।

हाउसिंगग लोन पर सब्सिडी योजना एक साल के बढ़ी- हाउजिंग सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए 6-18 लाख रुपए की वार्षिक आमदनी वाले मिडिल क्लास के लिए 2017 में लाए गए हाउसिंग लोन सब्सिडी योजना को 31 मार्च 2021 तक बढ़ा दिया गया है। इसके लिए 70 हजार करोड़ रुपए का पैकेज दिया गया है। एक साल में 2.5 लाख लोग इसका फायदा लेंगे।

कौन कर रहा बचाने की कोशिश? रविशंकर प्रसाद का बड़ा आरोप

कांग्रेस नेता ने नीरव मोदी के लिए लंदन में दी गवाही

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक में 11,500 करोड़ के घोटाला मामले में भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी से जुड़े केस में केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बड़ा दावा किया है। नीरव मोदी को प्रत्यर्पण के जरिए भारत लाने की कोशिशों के बीच रविशंकर प्रसाद ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस के एक नेता ने नीरव मोदी की ओर से कोर्ट में गवाही दी है। उन्होंने कहा कि नीरव मोदी के खिलाफ प्रत्यर्पण की कार्यवाही में कांग्रेस के एक नेा और उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बचाव पक्ष के गवाह के तौर पर पेश हुए। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह विपक्षी पार्टी का असली चेहरा दिखाता है। अत्यधिक संदिग्ध परिस्थितियां बताती हैं कि कांग्रेस नीरव मोदी को बचाने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस की ओर से एक पूर्व न्यायाधीश ब्रिटेन में न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए काम कर रहे हैं, हमारी जांच एजेंसी प्रभावी तरीके से इसका जवाब देगी।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि ये मुंबई हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज हैं। इन्हें प्रशासनिक कार्यों के लिए रिटायमेंट के 10 महीने पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर किया गया था। रोचक बात है कि इन्होंने 13 जून 2018 को कांग्रेस की सदस्यता ली थी। ये 13 मई को मुंबई हाई कोर्ट के एक रिटायर्ड जज हैं, इन्होंने नीरव मोदी के डिफेंस विटनेस के रूप में ये स्टैंड लिया है कि नीरव मोदी के खिलाफ कोई केस नहीं है। उनको बचाने की पूरी कोशिश की गई है।भाजपा के ट्विटर हैंडल से रविशंकर प्रसाद के हवाले से कहा गया है कि नीरव मोदी से संबंधित मामले कांग्रेस के शासन के हैं। ये अधिकांश सब यूपीए-1 और यूपीए-2 में हुआ था। राहुल गांधी ने 13 सितंबर 2013 को नीरव मोदी के एक कार्यक्रम में भी शिरकत की थी। कांग्रेस ने हर प्रकार से नीरव मोदी और मेहुल चौकसी को बचाने की कोशिश की। अब जब वो गिरफ्तार हो गया है, तो कांग्रेस से जुड़े एक रिटायर्ड जज उनको बचाने की कोशिश में लगे हैं। दरअसल, हीरा कारोबारी नीरव मोदी पंजाब नेशनल बैंक को हजारों करोड़ का चूना लगाया है। पीएनबी ने 11500 करोड़ रुपये के घपला के मामले में अरबपति हीरा कारोबारी नीरव मोदी और आभूषण बनाने वाली कंपनी के खिलाफ सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई है। पंजाब नेशनल बैंक ने बैंकिंग सेक्टर में अब तक के सबसे बड़े घोटाले को पकड़ा है। ये घोटाला 11 हजार 500 करोड़ करोड़ रुपए से ज्यादा का है। पीएनबी फ्रॉड केस में शामिल नीरव मोदी एक हीरा कारोबारी है।

कमलनाथ सरकार के अंतिम 6 महीनों के फैसलों की होगी समीक्षा

शिवराज बोले-अभी कोरोना से निपटना है, राजनीति के लिए बहुत समय

भोपाल। कोरोना वायरस महामारी के बीच मध्य प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने प्रदेश की पूर्ववर्ती कमलनाथ नीत कांग्रेस सरकार के अंतिम छह माह के शासनकाल के दौरान लिए गए निर्णयों की समीक्षा के लिये मंत्रिसमूह का गठन किया है। कमलनाथ की सरकार गिरने के बाद चौहान इस साल 23 मार्च को मुख्यमंत्री बने हैं। हालांकि, इस पर कांग्रेस ने चौहान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, कोरोना वायरस की महामारी को लेकर अपनी असफलताओं से ध्यान हटाने के लिए यह समिति गठित की गई है। अभी समय कोरोना वायरस से निपटने का है, राजनीति के लिये तो बहुत समय है। मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग के एक अधिकारी ने बताया, मध्य प्रदेश सरकार ने 20 मार्च, 2020 से छह माह पूर्व की अवधि में पूर्ववर्ती कमलनाथ सरकार के दौरान राज्य शासन द्वारा लिये गये निर्णयों की समीक्षा के लिये बुधवार को मंत्रिसमूह का गठन किया।

उन्होंने कहा, इस मंत्रिसमूह में गृह तथा

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, जल-संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट और किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री कमल पटेल शामिल हैं। मालूम हो कि कांग्रेस के 22 बागी विधायकों के पार्टी छोड़ भाजपा में शामिल होने के बाद तत्कालीन कमलनाथ सरकार अल्पमत में आ गई थी, जिसके कारण कमलनाथ ने इस साल 20 मार्च को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान 23 मार्च को चौथी बार मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बने हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस के मीडिया समन्वयक नरेंद्र सलूजा ने कहा, कांग्रेस हर तरह की समीक्षा व जांच का स्वागत करती है, लेकिन अभी समय कोरोना वायरस से निपटने का है, राजनीति के लिये तो बहुत समय है। उन्होंने कहा, इस महामारी के संकट के दौरान सिर्फ अपनी असफलताओं से ध्यान हटाने के लिए इस तरह का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार से प्रदेश में कोरोना वायरस का संक्रमण संभल नहीं रहा है और प्रदेश में संक्रमित लोगों का व मौतों का आंकड़ा प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। उन्होंने इस समिति के सदस्यों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि बेहद आश्चर्य है कि इसमें से एक सदस्य के खिलाफ पूर्व में ई-टेंडर से लेकर स्वास्थ्य विभाग में हुए घोटालों में भूमिका को लेकर जांच चल रही है। उनका परोक्ष इशारा मिश्रा की ओर था। सलूजा ने कहा कि वहीं, एक सदस्य (तुलसी सिलावट) पिछली कमलनाथ सरकार में खुद मंत्री थे और कोरोना वायरस की महामारी के दौरान भगोड़े साबित हुए थे। उन्होंने कहा कि समिति के एक अन्य सदस्य पर रेत उत्खनन को लेकर पूर्व की शिवराज सरकार में कई तरह के आरोप लगे थे।

टीचर पिता करता था नाबलिग बेटी का रेप, मां भी देती थी आरोपी का साथ

मुरैना। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में 55 वर्षीय एक शिक्षक द्वारा अपनी 16 वर्षीय बेटी के साथ कथित तौर पर हाथ-पैर बांधकर बलात्कार करने का मामला सामने आया है। मुरैना जिले के पोरसा कस्बे में घटित इस घटना में इस शिक्षक की पत्नी भी कथित तौर आरोपी की मदद करती थी। पुलिस ने आरोपी दंपति को गिरफ्तार कर लिया है। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) अवनीश बंसल ने गुरुवार को बताया कि इस घटना की प्राथमिक जांच में तथ्य सामने आने पर पुलिस ने आरोपी शिक्षक एवं उसकी पत्नी पर मामला दर्ज कर

मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा कि बुधवार को पीड़िता एवं उसके आरोपी पिता दोनों की मेडिकल जांच भी करायी गयी है। बंसल ने बताया कि घर के बाहर किसी को पता न चले, इसलिये इस दंपति ने पीड़ित बेटी को घर में ही कैद कर दिया था। उन्होंने कहा कि परेशान किशोरी ने अपनी विवाहिता बड़ी बहन को इस बारे में सोमवार को बताया, जिसके बाद बड़ी बहन ने इसकी शिकायत चाइल्ड हेल्पलाइन पर की। वहां से आये सदस्यों ने किशोरी को मंगलवार को कैद से छुड़ाकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने पति-पत्नी को हिरासत में लेकर गंभीर पूछताछ कर गिरफ्तार किया।

मांग पूरी नहीं करने पर हिटलरशाह एएसआई ने फल विक्रेता को दी धमकी

श्योपुर। बड़ौदा थाने के अंतर्गत राजस्थान बॉर्डर कुहाँजापुर सीमा पर लगी पुलिस चौकी में ड्यूटी पर तैनात एसआई सिकरवार द्वारा फल विक्रेता रमेश चंद सुमन को भद्दी भद्दी गालियां देकर अभद्रता कि गईं। फल विक्रता द्वारा पैसे न देने पर धमकी दी ओर कहा कि गाड़ी निकालना है तो पैसे देने होंगे बताते हैं कि ए एस आई बड़ौदा थाने पर में करीब 20 वर्ष से जमा हुआ है। जबकि किसी भी पुलिस के अधिकारी को 3 वर्ष से अधिक एक थाने में नही रख सकते। फरियादी रमेश सुमन के द्वारा लिखित आवेदन में कहा कि सब्जी विक्रेता का कार्य करता हु मगर मुझे परेशान किया जा रहा है।महावीर सुमन को रोज कोटा पिकप गाड़ी से सब्जियां भरकर बड़ौदा लाना रहता है। मगर राजस्थान सीमा में प्रवेश करने के लिए कुहॉजापुर पुलिस चौकी से गुजरना पड़ता है यहाँ पर तैनात् स्ह्र सुरेश सिकरवार ने महावीर सुमन को रोका गया और उसके साथ अभद्रता की गई गाली गलौज कर बन्द करने की धमकी दी गई। अगर तुझे गाड़ी निकालना है तो हर रोज ?200 देने होंगे और शराब देना होगा मेरे घर पर फल सब्जी आदि पहुंचा कर आना होगा अगर ऐसा नहीं किया गया तो यहां से निकलना दुश्वार कर दूंगा जबकि शासन के द्वारा इस महामारी के दौर में स्थानीय प्रशासन के द्वारा गाड़ी की परमिशन भी मिली हुई है,जो कि कहीं भी आ जा सकता है।महावीर सुमन ने बताया कि अब हम सब्जियों की पूर्ति कैसे करें एक तरफ जहां पुलिस धमकी दे रही है दूसरी तरफ बड़ौदा में सब्जी मंडी में सब्जी की मांग बढ़ रही है।अब देखना यह होगा कि पुलिस विभाग के आला अधिकारी ए एस आई सिकरवार पर क्या कार्रवाई करते हैं।

वंदे भारत योजना के तहत विदेश से आने वाले लोंगो के लिये बानमौर एवं धौलपुर रोड़ पर होटल किये आरक्षित

शासकीय कर्मचारियों की 8-8 घण्टें की लगाई ड्यूटी

मुरैना। वंदे भारत योजना के तहत शासन द्वारा विदेश से आने वाले व्यक्तियों को वापस लाया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा इन लोंगो को जिले के बॉर्डरों पर 14 दिन तक क्वारंटाइन करने के प्रबंध किये गये है। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने बताया कि इन लोंगो के आने के लिये ग्वालियर रोड़ पर शुभहिम होटल बानमौर तथा धौलपुर रोड़ पर आने वाले लोगों के लिये कंषाना ग्रान्ट होटल को अधिग्रहित किया गया है। उन्होंने बताय कि कोविड-19 संक्रमण रोकने हेतु उक्त होटलों में क्वारंटाइन किये गये लोंगो के पंजीयन का कार्य शिक्षकों एवं प्रशासनिक कार्य पटवारियों द्वारा किया जाना है। इसके लिये 8-8 घंटे के लिये ड्यूटी लगाई गई है। जानकारी के अनुसार शुभहिम होटल बानमौर में प्रातः 6 से 2 बजे तक पटवारी अमन चैधरी, शिक्षक सतीश कुमार शर्मा, दोपहर 2 से रात्रि 10 बजे तक पटवारी ऋषभ यादव, शिक्षक अशोक कुमार पाठक, रात्रि 10 से 6 बजे तक पटवारी संतोष गुप्ता, शिक्षक विद्याराम शर्मा, कंषाना ग्रान्ट होटल के लिये प्रातः 6 से 2 बजे पटवारी राजपाल यादव, शिक्षक श्यामसुंदर पचैरी, दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक पटवारी छोटेलाल गोबरिया, शिक्षक औतार सिंह अर्गल, रात्रि 10 से 6 बजे तक पटवारी जगदीश यादव और शिक्षक सवाईलाल नागौरिया की ड्यूटी लगाई है। यह कर्मचारी आने वाले व्यक्तियों के पासपोर्ट, बीजा के आधार पर पंजीयन करेंगे तथा क्वारंटाइन किये गये व्यक्तियों का रिकॉर्ड मोबाइल नम्बर, आधार नम्बर सहित रखेंगे।

खनिज विभाग द्वारा पिछले वर्ष की तुलना में 140 प्रतिशत राजस्व वसलू किया

मुरैना। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास के निर्भिक निर्णय एवं उचित मार्गदर्शन में प्रभारी खनिज अधिकारी मुरैना श्री सुखदेव कुमार निर्मल एवं खनिज टीम द्वारा खनिज राजस्व वसूल में उत्कृष्ट कार्य करते हुये मध्यप्रदेश शासन खनिज साधन विभाग मंत्रालय भोपाल मध्यप्रदेश द्वारा दिये गये लक्ष्य से अधिक राजस्व वसूल कर मुरैना जिले में रिकॉर्ड कायम किया गया। विगत कई वर्षो से निर्धारित राजस्व से कम राजस्व प्राप्त हो रहा था, लेकिन कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास के मार्गदर्शन में प्रभारी खनिज अधिकारी श्री सुखदेव कुमार निर्मल द्वारा जिले में उपस्थिति देकर योजनाबद्ध तरीके से काम करते हुये निर्धारित लक्ष्यों को समय से पहले प्राप्त किया गया, जो एक अभूतपूर्ण उपलब्धी है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में कुल राजस्व लक्ष्य 9.01 करोड़ के विरूद्ध 9.42 करोड़ का राजस्व वसूल किया गया, जो लक्ष्य का 105 प्रतिशत है। पिछले वर्ष के राजस्व की तुलना में 140 प्रतिशत है। यह उपलब्धी खनिज की टीम का संयुक्त प्रयास प्रभारी अधिकारी श्री निर्मल का कुशल नेतृत्व एवं कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास का मार्गदर्शन प्रतिफल है।

विद्युत व्यवस्था अनर्वत जारी रहे : कलेक्टर

मुरैना। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये है कि नोवेल कोरोना वायरस को ध्यान में रखते हुये विद्युत व्यवस्था बिना रूकावट के संचालित रहे। इसके लिये अधिकारी दृढ़ संकल्पित होकर व्यवस्था हो देंखे। यह निर्देश उन्होंने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मुरैना में महाप्रबंधक विद्युत मण्डल श्री शिशिर गुप्ता एवं विद्युत अन्य मैदानी अधिकारियों को दिये।

कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने विद्युत विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि विशेषकर कंटेनमेंट एरिया में बिना रूकावट के विद्युत चालू रहे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जहां कोरोना पॉजीटिव मरीज पाये जाते है वहां के नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विद्युत व्यवस्था में बाधा उत्पन्न हो। उस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर कोरोना पॉजीटिव मरीज रखे जा रहे है। उन्होंने कहा कि अभी अंबाह में पॉजीटिव केश रखें गये है, वहां विद्युत सुचारू रूप से संचालित रहे। कलेक्टर ने कहा कि विगत दिवस आंधी-तूफान से जिले के करीबन 1400 पोल डेमिज हुये है उन्हें 10 दिवस के अंदर अधिकारी दुरूस्त करें। कलेक्टर ने कहा कि प्रथम प्राथमिकता हॉस्पीटल, द्वितीय प्राथमिकता तहसील स्तर एवं तृतीय प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल स्त्रोत प्रारंभ करने की है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में सब्जी उत्पन्न करने वाले कृषकों की सब्जियां सूखे नहीं, विद्युत रहेगी तभी खेतों में हरी सब्जियों के लिये पानी उपलब्ध हो सकेगा। श्री गुप्ता ने बताया कि नूरावाद, दिमनी, सिहोनियां, खड़ियाहार, नूरावाद, जींगनी, सिरमिती, सुमावली, गंजरामपुर, बड़ागांव, रिठौरा, देवरी और बागचीनी ग्रामों की विद्युत व्यवस्था शीघ्र बहाल होगी।

मप्र के 11 जिले कोरोना से अब तक सैफ, नहीं मिला एक भी मामला

भोपाल। मध्य प्रदेश में कोरोना के संक्रमण का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य में सिर्फ 11 जिले ही ऐसे बचे हैं जहां तक कोरोना ने अब तक दस्तक नहीं दी है। इसके अतिरिक्त 41 जिलों तक कोरोना ने अपनी पहुंच बना ली है। सबसे ज्यादा संक्रमित मरीज और मरने वालों की संख्या के मामले में इंदौर, उज्जैन और भोपाल जिले हैं। राज्य में कोरोना की रोकथाम के लिए लॉकडाउन पर सख्ती से अमल जारी है, एक जिले से दूसरे जिले तक जाना भी प्रशासन की अनुमति से ही संभव हो पा रहा है। उसके बावजूद कोरोना का दायरा बढ़ता ही जा रहा है। अब तो राज्य के 52 जिलों में से 41 यानि लगभग 79 प्रतिशत हिस्से में कोरोना ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े बताते है कि राज्य में कोरोना मरीजों की संख्या 3785 हो गई है। इंदौर में सबसे ज्यादा मरीज हैं, यहां संख्या 1935 हो गई है। वहीं भोपाल, जबलपुर, उज्जैन वे स्थान है जहां मरीजों की संख्या तीन अंकों में है। इसके अलावा मुरैना, खरगोन , बड़वानी , छिंदवाड़ा, विदिशा, होशंगाबाद, खंडवा, देवास, रतलाम, धार, रायसेन, शाजापुर, मंदसौर, आगर मालवा, बुरहानपुर, सागर, ग्वालियर, नीमच, श्योपुर, भिंड, सतना, अलिराजपुर, हरदा, अनूपपुर, शिवपुरी, टीकमगढ़, रीवा, शहडोल, डिंडोरी, अशोकनगर, झाबुआ, सीहोर, गुना, बैतूल, मंडला, पन्ना, सिवनी में कोरोना मरीज मिले है। राज्य में छतरपुर, दमोह, दतिया, निवाड़ी, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, राजगढ़, नरसिंहपुर, बालाघाट और कटनी ऐसे जिले है जहां कोरोना का मरीज नहीं है। निवाड़ी में एक व्यक्ति के कोरोना पॉजिटिव होने की बात सामने आई थी मगर बाद में उसकी रिपोर्ट निगेटिव आई। बुंदेलखंड के सात जिलों में से चार जिले छतरपुर, दमोह, दतिया व निवाड़ी ऐसे हैं जहां कोरोना के मरीज नहीं है।

दुष्कर्म के आरोपी शिक्षक को कलेक्टर ने निलंबित

मुरैना। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने 18 साल की बेटी से 16 दिन में 2 बार दुष्कर्म किये जाने के आरोप में तत्काल प्रभाव से शिक्षक बृहमचारी कठेरिया को निलंबित कर दिया है। विगत दिवस समाचार पत्र में प्रकाशित खबर में दुष्कर्म के अपराध में नामजद शासकीय माध्यमिक विद्यायल बहोरपुरा के शिक्षक बृहमचारी कठेरिया द्वारा 18 वर्ष की बेटी के साथ दुष्कर्म के आरोप में कलेक्टर ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में शिक्षक गर्ल्स हाईस्कूल रैपुरा पोरसा में पदस्थ रहेगा।

जिला प्रशासन ने 2550 मजदूरों को बसों से रवाना कर उन्हें उनके गृह जिलों को भिजवाया

मुरैना। कोरोना वायरस की महामारी को दृष्टिगत रखते हुये प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने मध्यप्रदेश के प्रवासी मजदूरों, जो अन्य राज्यों के जिलों में फंसे हुये है उन्हें वापस अपने गृह जिले भिजवाने की मुहिम चलाई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देशों पर मध्यप्रदेश के प्रवासी मजदूरों के आने का सिलसिला मुरैना जिले में जारी है। गुरूवार को कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास के मार्गदर्शन में मुरैना जिले के बानमौर एवं अल्लावेली चैक पॉइंटों पर आने वाले मजदूरों को उनके गृह जिले में भेजने के प्रबंध किये। जानकारी के अनुसार 14 मई को अल्लावेली चेक पॉइंट पर 2300 मजदूर राजस्थान, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा अन्य प्रांतों से बसों एवं अन्य वाहनों से आये हुये मजदूरों को बसों से उनके गृह जिलों के लिये रवाना कराया गया। वाहनों की व्यवस्था क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी एवं तहसीलदार द्वारा कराई गईं। लगभग 40 बसों के माध्यम से इन मजदूरों को मध्यप्रदेश के छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, दमोह एवं उत्तरप्रदेश के झांसी के अलावा अन्य जिलों के लिये जाने वाले मजदूरों को भिजवाया। बसों में बिठाने से पहले सभी मजदूरों की थर्मल स्क्रीनिंग करके उन्हें भोजन के पैकेट एवं पेयजल पाउच निःशुल्क उपलब्ध कराये गये। इसी प्रकार बानमौर चैक पॉइंट पर 250 मजदूर इटारसी, टीकमगढ़, झाबुआ से ट्रेन एवं बसों के माध्यम से आये। जिनका थर्मल स्क्रीनिंग एवं नाम, मोबाइल नम्बर, गांव का नाम नोट कर मुरैना जिले के अम्बाह, पोरसा, सबलगढ़, जौरा और कैलारस के लिये 4 बसों से रवाना किया। जिसमें 2 बस अम्बाह होते हुये पोरसा के लिये एवं 2 बस जौरा, कैलारस होते हुये सबगलढ़ के लिये भेंजी गई।

विदेश से आने वालों की जांच हेतु डॉक्टर एवं पैरामेडीकल स्टॉफ लगायें: कलेक्टर

मुरैना। वंदे भारत योजना के तहत मुख्यमंत्री द्वारा विदेश से व्यक्तियों को वापस लाया जा रहा है। इस हेतु कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास ने बानमौर पर होटल शुभहिम एवं धौलपुर रोड़ पर कंषाना ग्रान्ट होटल अधिग्रहित किया है। यहां पर 24 घण्टे क्वारंटाइन लोंगो की जांच करने डॉक्टरों एवं पैरामेडीकल स्टॉफ की ड्यूटी लगाने के निर्देश ब्लॉक मेडीकल ऑफीसर नूरावाद को दिये है।

जिला स्तरीय कन्ट्रोलरूम में लगाई कर्मचारियों की ड्यूटी

श्योपुर। कलेक्टर राकेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में नोबल कोरोना वायरय कोविड-19 के प्रकोप को दृष्टिगत रखते हुए जिले में किसी भी संक्रमण की सूचना के आदान-प्रदान हेतु ई-दक्ष केन्द्र श्योपुर में स्थापित जिला स्तरीय कन्ट्रोलरू में कर्मचारियो की ड्यूटी 31 मई तक लगाई गई है। अपर कलेक्टर श्री एसआर नायर द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिला स्तरीय कन्ट्रोलरूम में 28 कर्मचारियों की ड्यूटी 18 मई से 31 मई 2020 तक लगाई गई है। जिससे यह कर्मचारी निर्धारित तिथियो के पाली के अनुसार सौपे गये दायित्व पर निवर्हन करेगे। साथ ही कन्ट्रोलरूम में प्राप्त होने वाली सूचना से तत्काल अपर कलेक्टर एवं एसडीएम श्योपुर तथा कन्ट्रोलरूम प्रभारी को अवगत करायेगे।

33 केव्ही फीडरों से दो दिन रहेगा विधुत प्रवाह बंद

श्योपुर।33 केव्ही फीडर पाली रोड एवं 33 केव्ही धानमिल फीडरो पर क्रमशः 15 मई एवं 17 मई को प्रातः 08 से दोपहर 12 बजे तक विधुत प्रवाह बंद रहेगा। मेनेजर विधुत कंपनी श्योपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार 33 केव्ही फीडर पाली रोड से 15 मई को प्रातः 08 बजे से दोपहर 12 बजे तक पाली रोड, बडौदा रोड, चंबल कॉलोनी, मुक्तिनाद नगर, कल्याणपुरम, मुधवन नगर, महाराणा प्रताप नगर, ब्लॉक कॉलोनी इत्यादि पर विधुत प्रवाह बंद रहेगा। इसी प्रकार 33 केव्ही धानमिल से 17 मई को प्रातः 08 बजे से दोपहर 12 बजे तक मैन मार्केट, शिवपुरी रोड, कलेक्टेड्ट, आनन्द नगर, पुलिस लाईन, शिवनगर, तिलक नगर, किला, पटवारी कॉलोनी इत्यादि क्षेत्र में विधुत प्रवाह बंद रहेगा।

15421 किसानों से 01 लाख 30 हजार मैट्रिक टन गेहू की खरीदी

श्योपुर। कलेक्टर राकेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में जिले में स्थापित 79 उपार्जन केन्द्रो पर 25800 पंजीकृत किसानो में से 15421 किसानो के माध्यम से 01 लाख 30 हजार मैट्रिक टन गेहू की खरीदी की जा चुकी है। अपर कलेक्टर श्री एसआर नायर ने बताया कि समर्थन मूल्य पर किसानो से गेहू खरीदी के लिए स्थापित किये गये 79 उपार्जन केन्द्रो पर खरीदे गये गेहू में से 10937 किसानों को 115 करोड रूपये का भुगतान किया जा चुका है।

अनुशंसा के मुताबिक, 17 हजार कैदी जेलों से रिहा किए जा सकते हैं, ऑर्थर रोड जेल में 100 कैदी संक्रमित पाए गए

महाराष्ट्र में अभी 35 हजार से भी ज्यादा कैदी, 50 प्रतिशत कैदियों को अस्थाई तौर पर रिहा करें: राज्य सरकार कमेटी

- हाईलेवल कमेटी की अनुशंसा के मुताबिक, मकोका, पीएमएलए और यूएपीए के तहत दोषी और आरोपी कैदियों को नहीं रिहा किया जाएगा

मुंबई। ऑर्थर रोड जेल में 100 कैदियों के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद महाराष्ट्र सरकार की कमेटी ने कहा है कि राज्य में 50 फीसदी कैदियों को अस्थायी तौर पर रिहा कर दिया जाए। कमेटी ने अभी यह साफ नहीं किया है कि कितने समय के लिए इन कैदियों को रिहा किया जाए। लेकिन, कमेटी ने कहा है कि राज्य की जेलों में बंद 35,239 कैदियों में से 50 फीसदी को टेम्परेरी बेल या पैरोल पर रिहा किया जाए। कमेटी की अनुशंसा के मुताबिक, जेलों से 17 हजार कैदियों को रिहा किया जा सकता है। इनमें उन कैदियों को शामिल नहीं किया जाएगा, जिन पर यूएपीए, मकोका, पीएमएलए के तहत केस है।

24 घंटे में 1230 नए केस सामने आए

महाराष्ट्र में सोमवार से मंगलवार सुबह तक 24 घंटे में 1230 नए केस सामने आए हैं। अब तक कुल मरीजों की संख्या 23 हजार 401 हो गई है। पिछले 24 घंटे के दौरान में कुल 36 मरीजों की कोरोना के कारण मौत हुई है। मुंबई में 24 घंटे में 791 नए मामले आए हैं। यहां संक्रमितों की संख्या 14 हजार 355 हो गई है। 587 मरीजों को अस्पताल से ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया है। अब तक राज्य में कुल 4786 मरीज ठीक होकर घर गए। महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच राज्य के कुछ हिस्सों में कम्युनिटी ट्रांसमिशन की बात शुरू हो गई, लेकिन हेल्थ विभाग ने इसे क्लस्टर केसेज का नाम दिया है। राज्य के सर्विलांस ऑफिसर डॉक्टर प्रदीप आवटे ने कहा- राज्य के कुछ हिस्सों में क्लस्टर केस यानी एक इलाके से एक ही समय में बहुत से केस आना है। कुछ मामलों में बीमारी के सोर्स का पता भी नहीं चल रहा। हालांकि, यह अभी इतना नहीं है कि इसे कम्युनिटी ट्रांसमिशन का नाम दिया जाए। मुंबई में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के बीच बीएमसी की ओर से लोगों को होमियोपैथी दवा आर्सेनिक अलबम-30 दी जा रही है। बीएमसी का मानना है कि इसे विशेषज्ञों की सलाह के बाद बांटा जा रहा है। इसके सकरात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। अच्छी बात यह है कि इसके कोई साइड इफेक्ट भी नहीं हैं। बीएमसी स्वास्थ्य विभाग की कार्यकारी अधिकरी डॉ. पद्मजा केसकर ने ज्यादा से ज्यादा लोगों को आर्सेनिक अलबम-30 देने का निर्देश दिया है।

एयर इंडिया पायलट्स की जांच रिपोर्ट पहले पॉजिटिव, फिर निगेटिव

मुंबई में कोरोना टेस्ट में भारी चूक सामने आई है। 10 मई को एयर इंडिया जिन 5 पायलट और दो टेक्नीकल स्टाफ में कोरोना की पुष्टि हुई थी, अब दूसरी रिपोर्ट में 4 पायलटों को निगेटिव करार दिया गया है। एयरलाइन के 77 पायलटों का परीक्षण किया गया, जिसमें से 5 को पॉजिटिव पाया गया था। इनमें कोरोना के कोई भी लक्षण नहीं थे। बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान को उड़ाने वाले यह पांचों पायलट फिलहाल होम आइसोलेशन में है। इन्हें विदेश में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए वंदे भारत मिशन के तहत ड्यूटी पर तैनात किया गया था।

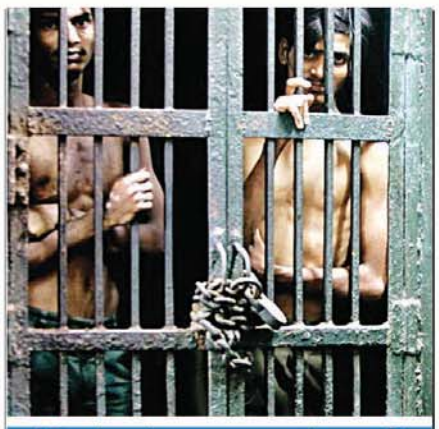

सोनिया के आदेश का पालन, कांग्रेस इकाई ने उठाया 27,865 प्रवासी मजदूरों का यात्रा खर्च

मुंबई। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई ने करीब 27,865 प्रवासी मजदूरों का यात्रा खर्च उठकर उन्हें उनके पैतृक स्थानों पर भेजा है। प्रदेश पार्टी अध्यक्ष बालासाहेब थोराट ने मंगलवार को दावाकर कहा कि करीब 24,000 और प्रवासी मजदूरों को महाराष्ट्र से उनके गृह राज्यों में भेजने के प्रबंध कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा, अब तक, महाराष्ट्र कांग्रेस ने 27,865 कामगारों का यात्री खर्च वहन किया है।

प्रदेश पार्टी अध्यक्ष बालासाहेब थोराट ने दी जानकारी

दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पिछले हफ्ते कहा था कि अपने-अपने कार्यस्थलों पर फंसे जो प्रवासी श्रमिक एवं मजदूर घर लौटना चाहते हैं,उन सभी जरूरतमंदों की रेल यात्रा का खर्च उनकी पार्टी की राज्य इकाइयां उठाएंगी। थोराट ने कहा कि घोषणा के बाद, कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई ने प्रवासी श्रमिकों को उनके घर भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी। कामगारों ने जिला स्तर पर पंजीकरण कराया और उन्हें गृह राज्यों में भेजने के लिए विशेष रेलगाड़ियों की व्यवस्था की गई। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मुंबई से राजस्थान, उत्तरप्रदेश और बिहार के लिए जाने वाली रेलगाड़ियों में सवार ज्यादातर श्रमिकों की यात्रा का खर्च भी कांग्रेस ने उठाया। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान श्रमिकों को भोजन, मास्क और सैनिटाइजर उपलब्ध कराए गए। थोराट ने कहा कि ऊर्जा मंत्री नितिन राउत ने चार विशेष ट्रेनों के लिए भुगतान किया जबकि कृषि राज्य मंत्री विश्वजीत कदम और पशुपालन एवं दुग्ध विकास मंत्री सुनील केदार ने दो रेलगाड़ियों का खर्च उठाया। थोराट ने कहा कि 3,567 श्रमिकों को सतारा, अहमदनगर, पुणे, नागपुर, चंद्रपुर, कोल्हापुर और सांगली से निजी वाहनों में उनके गृह राज्यों में भेजा गया और उनका यात्रा खर्च भी कांग्रेस ने उठाया।

पूरा परिवार कोरोना से पॉजिटिव हुआ तो घर में अकेली रह गई 11 साल की बच्ची, अब पड़ोसी रख रहे ख्याल

- फरीदाबाद के सेक्टर-28 में रहती है बच्ची, 73 वर्षीय दादी की हो चुकी है मौत
- पड़ोसी खाना रख देते हैं, उससे वीडियो कॉल करते हैं, घर के बाहर पहरा देते हैं

फरीदाबाद। फरीदाबाद के सेक्टर-28 में एक पूरा परिवार कोरोना संक्रमित हो गया है। अब घर में अकेली 11 साल की लड़की रह रही है। उस घर में उसके रिश्तेदार तक आने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में पड़ोसी बेशक घर के भीतर न जा पा रहे हों लेकिन उन्होंने बाहर से ही मदद कर रहे हैं। वे खाना पहुंचा रहे हैं, वीडियो कॉल कर रहे हैं। इससे बच्ची ये दिन काट रही है। फरीदाबाद के सेक्टर-28 की 76 वर्षीय महिला की कोरोना की वजह से मौत हो गई थी। स्वास्थ्य विभाग ने उसके परिवार के सभी सदस्यों के कोरोना टेस्ट किए तो परिवार के चार सदस्य पॉजिटिव मिले। महिला के पति, उनके बेटे, बेटे की पत्नी और बेटी संक्रमित मिलीं। गनीमत ये रही की 11 वर्षीय पोती संक्रमित नहीं मिली।

परिवार से इतने लोग संक्रमित मिले तो सभी को आइसोलेट कर दिया गया। अब बच्ची घर में अकेली बच गई। कोरोना की वजह से कोई भी रिश्तेदार या नजदीकी घर आने को तैयार नहीं है। ऐसे में 11 साल की बच्ची की मदद के लिए पड़ोसियों ने हाथ बढ़ाया है। पड़ोस में रहने वाले कई परिवार अपने स्तर पर जितना हो सकता है, बच्ची की पूरी देखभाल करने में पीछे नहीं हैं। पड़ोसी इस बच्ची से वीडियो कॉल के जरिए संपर्क में हैं। वह बच्ची को खाना पहुंचाते हैं और रात के समय डेढ़ दो बजे तक घर के बाहर पहरा भी देते हैं। बच्ची को कोई तकलीफ ना हो, उसके लिए पड़ोसी हरसंभव सहायता करने के लिए तैयार हैं। वह सभी पड़ोसियों के संपर्क में रहकर इस परिवार व खासतौर पर असहाय बच्ची को एक पल के लिए भी यह महसूस नहीं होने दे रहे कि वह बिना परिवार के अकेली है।

55 प्रवासी मजदूर पकड़े जाने के डर से खेतों में छिपे पुलिस की गाड़ियां देखकर भागने लगे, मिला सहारा

सादुलशहर। लॉकडाउन के दौर में मजदूर अपने घरों की ओर किसी भी हाल में लौट रहे हैं। सादुलशहर क्षेत्र में सोमवार शाम को 55 श्रमिक खेतों में भटकते मिले। इनमें पुरुष, महिलाएं, बच्चे हैं। इन्हें ट्रैक्टर-ट्रालियों से सादुलशहर के राधा स्वामी सत्संग भवन में लाया गया। यहां सभी को पानी, चाय-नाश्ता एवं भोजन करवाया गया। यही नहीं, अधिक गर्मी को देखते हुए आराम के लिए गद्दे, हवा के लिए कूलर लगवाए गए। किसी ने तहसील प्रशासन को सूचना दी कि सादुलशहर क्षेत्र के गांव बुधसिंहवाला, खैरुवाला की रोही में कई श्रमिक परिवार सिर पर सामान की गठरियां, गोद में बच्चे उठाए भटक रहे हैं। बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही तहसीलदार हरीश कुमार टांक अधीनस्थ कार्मिकों को लेकर बुधसिंहवाला की रोही में पहुंचे। सरकारी गाड़ी एवं पुलिसकर्मियों को देख मजदूरों में भगदड़ मच गई, परंतु तहसीलदार ने गाड़ी में लगे स्पीकर से सभी को समझा कर रुकवाया। भूखे-प्यासे एवं बच्चों के हालात देख मौके पर ही ठंडा पानी मंगवाकर सभी को पिलाया। तहसीलदार टांक ने बताया कि सभी 55 लोगों को राधा स्वामी सत्संग भवन ले जाया गया। इनमें 40 लोग जैसलमेर के मोहनगढ़ क्षेत्र से आए हैं, जो पंजाब के कपूरथला एवं जालंधर क्षेत्र के हैं। वहां चने की फसल की कटाई के बाद लॉकडाउन में फंस गए थे। परिवार सहित दस दिन पूर्व मोहनगढ़ से जालंधर के लिए पैदल ही निकल पड़े थे। वहीं, 15 लोग दस दिन पूर्व भीलवाड़ा से जम्मू जाने के लिए जत्थे के रूप में पैदल रवाना हुए थे। भीलवाड़ा से जम्मू के लिए पैदल चले डिंपल कुमार, अजीत सिंह, नीलम सिंह, अशोक सिंह आदि ने बताया कि वे तीन माह पूर्व फैक्ट्रियों में रुई की गांठों का लोडिंग-अनलोडिंग का कार्य करने के लिए भीलवाड़ा गए थे। इस दौरान यह बीमारी आ गई। कंपनी वालों ने मजदूरी देकर घर जाने को कह दिया। न कोई साधन मिला, न ही कोई इजाजत। परेशान होकर पैदल ही निकल पड़े। अनेक स्थानों पर रास्ता पूछा, किसी ने सही बताया तो किसी ने गलत।

जैसलमेर से 40 मजदूर जम्मू और भीलवाड़ा से 15 मजदूर पंजाब के लिए पैदल रवाना हुए, पैरों में पड़े छाले

करीब 1100 किलोमीटर की यात्रा पर सामान के बोझ के साथ निकले मजदूरों में महिलाओं और बच्चों की हालत खराब

इरफान को श्रद्धांजलि देने के लिए इगतपुरी के गांव ने अभिनेता से जोड़ा गांव का नाम

इस गांव में अभिनेता इरफान खान का फार्म हाउस है, उन्होंने कई मौकों पर यहां के किसानों और बच्चों की मदद की थी

नासिक ■ एजेंसी

अभिनेता इरफान खान को श्रद्धांजलि देने के लिए नासिक के इगतपुरी में एक गांव के लोगों ने अपने गांव का नाम उन्हें समर्पित कर दिया। यहां इरफान का फार्म हाउस है। इस गांव का नाम पत्राच्या वाड़ा था, जिसे अब बदलकर गांव के लोगों ने 'हीरो ची वाड़ी' रख दिया है। इसका अर्थ हिंदी में 'एक्टर का पड़ोस' होता है। कैंसर बीमारी से जूझ रहे अभिनेता का 29 अप्रैल को मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया था।

परिवार संग कई बार यहां आए थे इरफान खान: त्रिलंगवाड़ी फोर्ट के पास स्थित पत्राच्या वाड़ा गांव से इरफान खान की जिंदगी की कई खूबसूरत यादें जुड़ी हुई हैं। वे अक्सर यहां परिवार के साथ आते रहे हैं। इरफान ने कई मौकों पर गांव के लोगों की मदद भी की। निधन से कुछ साल पहले उन्होंने यहां स्थित जिला परिषद स्कूल के लिए बड़ी सहायता राशि दी थी।

तबीयत खराब होने के बावजूद की थी गांव के लोगों की मदद

जब इरफान ने इस गांव में प्लॉट खरीदा था, तभी से गांव के लोग यह बात करने लगे थे कि वे अपने गांव का नाम बदलेंगे। गांववालों के मुताबिक, इरफान यहां के स्कूल के छात्रों के लिए अवसर किताबें, रेनकोट, स्वेटर जैसी चीजें डोनेट किया करते थे। यहां तक की जब इरफान अमेरिका में अपने कैंसर का इलाज करा रहे थे, तब भी उन्होंने अपने एक रिश्तेदार को भेजकर यहां के बच्चों की मदद की थी।

कोरोना के लक्षण दिखने के बाद कराया गया था महिला का टेस्ट

रेड जोन से आई कोरोना संक्रमित महिला ने दिया स्वस्थ जुड़वां बच्चों को जन्म, मां को रखा आइसोलेशन वार्ड में

- हॉस्पिटल के अधिकारियों ने कहा- जुड़वा के साथ गर्भवती होने पर इमरजेंसी केस के रूप में किया था भर्ती

पुणे ■ एजेंसी

शहर में कोरोना संक्रमण के बीच पुणे के एक प्राइवेट क्लिनिक में कोरोना संक्रमित एक महिला ने जुड़वां बच्चे को जन्म दिया है। सुखद यह है कि दोनों बच्चों की रिपोर्ट कोरोना संक्रमण टेस्ट रिपोर्ट नेगेटिव आई है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार शाम को 34 वर्षीय एक महिला ने पुणे के इंदिरा आईवीएफ क्लिनिक में दो बच्चों को जन्म दिया। इस महिला के शरीर में सूजन और पेट में तकलीफ के बाद क्लिनिक में भर्ती करवाया गया था।

यहां हाई ब्लड प्रेशर के कारण उसकी तबियत बिगड़ी तो डॉक्टरों को कुछ संदेह हुआ। महिला जिस इलाके से आती है, वहां कोरोना का सबसे ज्यादा संक्रमण फैला हुआ है। इसके बाद उसका टेस्ट करवाया गया और उसमें संक्रमण की पुष्टि हुई। इसके बाद महिला की हालत बिगड़ने लगी तो डॉक्टरों ने उसका सी-सेक्शन ऑपरेशन किया। डॉक्टरों की एक टीम के प्रयास से महिला ने एक लड़की और लड़के को जन्म दिया है। दोनों बच्चे पूरी तरह से स्वस्थ हैं।

हॉस्पिटल के अधिकारियों ने कहा, जुड़वा बच्चों के साथ गर्भवती होने पर, उन्हें एक इमरजेंसी केस के रूप में भर्ती कराया गया था।इ उन्होंने आगे बताया कि महिला रेड जोन से आई थी, इसलिए हमने कोरोना के लक्षण दिखने के बाद उनका टेस्ट करवाया। फिलहाल दोनों बच्चे सुरक्षित हैं और हॉस्पिटल स्टाफ उनकी देखरेख कर रहा है। फिलहाल बच्चे की मां को उनसे दूर एक आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। उन्हें यह सलाह भी दी गई है कि वे जब तक ठीक नहीं हो जाती बच्चों से अलग रहें।

बैंक में घुसे चार नकाबपोशों ने लूट ली 21 लाख नकदी, चप्पे-चप्पे पर पुलिस मुस्तैद के दावों की खुली पोल

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में मंगलवार को चार बदमाशों ने ग्राहक बनकर बैंक में घुसपैठ की, इसके बाद तमंचे के बल पर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। बैंक से करीब 21 लाख की नकदी पर हाथ साफकर बदमाश मौके से फरार हो गए। ये घटना ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त की दामोदर शाखा की है। इस दिनदहाड़े वारदात से पुलिस के चप्पे चप्पे पर मुस्तैदी के दावों की पोल खोल कर रख दी है। थाना सदर बाजार के दामोदरपुरा क्षेत्र स्थित आचार्य नगर के सामने एक भवन के प्रथम तल पर आर्यावर्त बैंक है। इस बैंक में दोपहर करीब 2:15 बजे बैंक का लंच टाइम था। इक्का दुक्का ग्राहकों का भी आना-जाना लगा हुआ था। तभी चार लोग ग्राहक के रूप में बैंक में घुस गए। बैंक कर्मियों ने उन्हें भी कोई ग्राहक समझा। लेकिन अगले पल बदमाशों ने बैंक में कार्य कर रहे कर्मियों को अपने हथियारों के निशाने पर ले लिया और शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी दी इसके बाद 21 लाख रुपए की नकदी लूट ले गए। जाते-जाते बदमाश बाहर से बैंक का शटर बंद कर गए। बदमाशों के फरार होने के बाद किसी तरह बैंक कर्मियों ने पुलिस को खबर की। दिनदहाड़े बैंक से लाखों की लूट की सूचना मिलने पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर एसपी सिटी अशोक कुमार मीणा, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर मौके पर पहुंच गए।

मुजफ्फरनगर हादसा : सीएम योगी आदित्यनाथ ने मृतक के परिजनों को

2-2 लाख रुपए देने की घोषणा की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से बुधवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में 6 श्रमिकों की मौत हो गई जबकि 4 अन्य घायल हो गए है। सभी घायलों को मेरठ मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिनमें से कुछ की हालत नाजुक बनी हुई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस सड़क हादसे में पंजाब से बिहार जा रहे प्रवासी श्रमिकों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने सभी घायलों का समुचित इलाज कराने तथा मृतकों के पार्थिव शरीर बिहार भेजने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए तथा गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने सहारनपुर मंडलायुक्त को दुर्घटना के कारणों की जांच तथा इसके हादसे के दोषी को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि कि इस दुर्घटना से सम्बंधित बस के चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दरआसल बिहार के गोपालगंज के कुछ श्रमिक जाब से पैदल अपने घर जा रहे थे। वह सभी श्रमिक अभी मुजफ्फरनगर ही पहुंचे थे कि मुजफ्फरनगर-सहारनपुर स्टेट हाइवे पर एक तेज रफ्तार रोडवेज बस ने उन्हें कुचल दिया। इस दर्दनाक हादसे में छह मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि अन्य श्रमिक घायल हो गए।

घायल श्रमिकों में चार की हालत गंभीर बनी हुआ है। देर रात सभी घायलों को मेरठ मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खूनी बस पकड़ी, ड्राइवर गिरफ्तार- हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में मजदूरों की चप्पलें बिखरी हुई थी। रास्ते मे उन्हें किसी ने पूड़ियां दी होंगी। वे पूड़ियां भी नहीं खाई गई और घटनास्थल पर पड़ी मिली। बिस्किट के भी 2 पैकेट पड़े हुए थे। उधर, मुजफ्फरनगर सिटी कोतवाली पुलिस ने देर रात नाकेबंदी करते हुए खूनी रोडवेज बस को पकड़ लिया। वह आगरा के ताज डिपो की है। ड्राइवर भी गिरफ्तार हो गया है। हादसे में बस के भी शीशे टूट गए। पुलिस, ड्राइवर से पूछताछ कर रही है।

प्रेस कांफ्रेंस ट्रम्प ने जवाब दिया- दुनिया में हर जगह लोगों की जान जा रही है, यह सवाल आपको चीन से करना चाहिए न कि मुझसे

व्हाइट हाउस में महिला पत्रकार के सवाल पर भड़के ट्रम्प, कोरोना पर मीडिया ब्रीफिंग अचानक खत्म की

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का सोमवार को कोरोना पर ब्रीफिंग के दौरान दो महिला पत्रकारों से विवाद हो गया। इसके बाद उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस अचानक खत्म कर दिया। न्यूज वेबसाइट हिल के अनुसार, ट्रम्प ने कोरोनोवायरस पर प्रतिक्रिया के लिए अपने प्रशासन की तारीफ करते हुए लगभग 40 मिनट तक रिपोर्टरों के सवाल के जवाब दिए।

वहीं, सीबीएस की रिपोर्टर वेजिया जियांग और सीएनएन की कैटलन कोलिंस के साथ उनका विवाद हो गया। चीनी मूल की सीबीएस की पत्रकार जियांग ने उनसे पूछा था कि वे हमेशा इस बात पर ज्यादा जोर क्यों देते हैं कि अमेरिका अन्य देशों से ज्यादा टेस्टिंग कर रहा है। क्या यह इतना जरूरी है? इसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्यों बना रहे हैं, जब हर दिन अमेरिकी नागरिक अपनी जान गंवा रहे हैं।

इस पर ट्रम्प ने कहा- दुनिया में हर जगह लोगों की जान जा रही है। यह सवाल आपको चीन से करनी चाहिए, न कि मुझसे। जियांग ने ट्विटर पर खुद को चीन में पैदा हुई वर्जीनिया का नागरिक बताया। इसके बाद जियांग ने कहा- सर, खासतौर पर आप मुझसे ऐसा क्यों कह रहे हैं। यहां जियांग का मतलब चीनी होने से था।

दुनिया में अब तक 42.72 लाख संक्रमित

दुनिया में कोरोनावायरस के अब तक 42 लाख 72 हजार 729 मामले सामने आ चुके हैं। दो लाख 87 हजार 615 की मौत हो चुकी है, जबकि 15 लाख 36 हजार 196 लोग ठीक हो चुके हैं। स्पेन की सबसे बुजुर्ग महिला (113 साल) मारिया ब्रायंस अब स्वस्थ हैं। उन्हें अप्रैल में एक अन्य महिला के साथ संक्रमित पाया गया था। ब्रायंस को जब अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया तो पूरे स्टाफ ने बाहर आकर तालियों से उनका स्वागत किया। दूसरी तरफ, ब्रिटेन में मरने वालों का आंकड़ा अब 40 हजार से ज्यादा हो गया है। 75 मिनट के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दुनिया की गिरती अर्थव्यवस्था और किसी एक देश पर निर्भरता को लेकर भी चर्चा हुई। ट्रम्प प्रशासन पहले ही कुछ समय के लिए चीन से इंडस्ट्री को दूसरे जगह ले जाने की बात कह चुकी है।

ट्रम्प ने कहा- ऐसे बेकार सवाल चीन से पूछें

ट्रम्प ने कहा- मैं ऐसा उन सबको कह रहा हूं, जो इस तरह के बेकार सवाल पूछना चाहते हैं। इसके बाद राष्ट्रपति ने उन्हें नकारते हुए अन्य रिपोर्टर को सवाल पूछने के लिए कहा। इसके बाद जब एक और सीएनएन की महिला रिपोर्टर ने उनसे सवाल पूछने की कोशिश की, इस बीच ट्रम्प ने प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म कर दी।

बिहार के डॉक्टर की आगरा में मौत, आत्महत्या की आशंका, दरवाजा तोड़कर शव निकाला गया

पटना। बिहार के डॉक्टर प्रतीश सिंह की आगरा में मौत हो गई। डॉक्टर प्रतीश छपरा के तरैया गांव के रहने वाले थे और आगरा के प्राइवेट हॉस्पिटल में कार्यरत थे। आगरा के ताजगंज इलाके में स्थित फ्लैट में बुधवार देर रात डॉक्टर का शव मिलने के बाद सनसनी मच गई। वहीं जब उनके मौत की सूचना परिजनों को मिली तो कोहराम मच गया। डॉक्टर के माता पिता छपरा से आगरा के लिए रवाना हो चुके हैं। डॉक्टर प्रतीश सिंह आगरा में सनराइज डायग्नोस्टिक सेंटर पर काम करते थे। सनराइज डायग्नोस्टिक सेंटर डॉक्टर अनुराग टंडन का है। 32 वर्षीय प्रतीश सिंह का कमरा पिछले तीन दिनों से बंद था, इसीलिए साथी उनको फोन कर रहे थे। फोन नहीं उठने पर पुलिस को सूचना दी गई। बुधवार देर रात मौके पर पहुंच कर पुलिस ने डॉक्टर के फ्लैट का दरवाजा तोड़ा। डॉक्टर के शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

संपादकीय

रेल यात्रा की शुरुआत

लगभग 50 दिनों से बाधित सामान्य रेल सेवा की फिर शुरुआत एक ऐसी खुशखबरी है, जिसका हर किसी को इंतजार था। पहले चरण में राजधानी एक्सप्रेस की तर्ज पर ऐसी वातानुकूलित ट्रेनें चलेंगी, जो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित देश के प्रमुख 15 शहरों को परस्पर जोड़ देंगी। ध्यान रहे, देश भर में फंसे श्रमिकों, छात्रों, तीर्थयात्रियों के लिए बड़ी संख्या में श्रमिक स्पेशल ट्रेन रेल विभाग चला रहा है और इसी सप्ताह करीब 1,500 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों के चलने की संभावना है। श्रमिकों के लिए चली विशेष रेल सेवा जितनी जरूरी है, लगभग उतनी ही जरूरी है यह विशेष एसी रेल सेवा, जो न सिर्फ आर्थिक, बल्कि सामाजिक रूप से भी आम जनजीवन को आगे बढ़ाने में मददगार साबित होगी। देश में एक बड़ी उद्यमी, पेशेवर, सक्रिय आबादी है, जो लॉकडाउन के कारण ठहर गई है या कहीं फंसी हुई है, ऐसी आबादी के लिए ये विशेष ट्रेनें उपहार साबित होंगी। जब लॉकडाउन की शुरुआत हुई थी, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि देश इतने लंबे समय तक के लिए ठहर जाएगा। आने वाले दिनों में भी लॉकडाउन में बहुत छूट की उम्मीद नहीं रखनी चाहिए, लेकिन यह जरूरी है कि लोगों को उनके जरूरी गंतव्य तक पहुंचने दिया जाए। यह हम सब जानते हैं कि भारत में रेल से बेहतर कोई परिवहन साधन नहीं है, रेल भारत में परिवहन तंत्र की रीढ़ है। भारत में कोरोना संकट से पहले प्रतिदिन 13,000 ट्रेनों में 2.3 करोड़ लोग सफर करते थे। ट्रेनों के बाधित होने से करोड़ों लोग जरूरी रेल यात्राओं से भी वंचित हो गए। अब सामान्य रेल सेवा की शुरुआत हो रही है, तो इसका अर्थ है, देश में फिर यात्रा की शुरुआत हो रही है। सरकार की योजनानुसार आने वाले दिनों में जरूरत के हिसाब से रेल सेवा धीरे-धीरे बहाल होती जाएगी और यह हर नजरिये से जरूरी भी है। अभी जो विशेष यात्री ट्रेनें चलेंगी, वे महंगी होंगी, जिनमें निम्न मध्यवर्ग के लिए सफर आसान नहीं होगा, लेकिन उम्मीद करनी चाहिए, जल्दी ही ऐसी ट्रेनें भी चलेंगी, जिनमें देश के सामान्य लोग भी पैसे देकर आसानी से सफर कर सकेंगे। रोज चलने वाली इन विशेष ट्रेनों को बीच में कुछ स्टेशनों पर रोकने का इंतजाम भी रेलवे को करना चाहिए। अभी जो ट्रेनें चली हैं, उनमें यात्रियों को खाने-पीने का इंतजाम स्वयं करना होगा, इसलिए इनमें उन्हीं लोगों को सफर करना चाहिए, जो सक्षम हैं। पूरा किराया अगर रेलवे वसूल रहा है, तो उसे इन ट्रेनों में खाने-पीने का इंतजाम भी जल्द ही कर देना चाहिए। यह भी जरूरी है कि केवल स्वस्थ लोग ही इन ट्रेनों में सफर का साहस करें और इसके लिए रेलवे को पुख्ता इंतजाम रखने चाहिए। कोई भी यात्री बिना जांच के सफर न कर सके और स्टेशन पर सभी यात्री समय से कम से कम एक घंटा पहले पहुंचें और अपनी पूरी जांच करवाएं। ध्यान देने की बात है, इन ट्रेनों में फिजिकल डिस्टेंसिंग के लिए बीच-बीच में बर्थ खाली नहीं रहेंगे। इन ट्रेनों के यात्रियों के लिए भी ऐसी यात्रा दोहरी परीक्षा की घड़ी होगी। उन्हें अपने साथ-साथ अपने साथी यात्रियों को भी सुरक्षित रखना होगा। ध्यान रहे, रेल यात्री जितना अच्छा व्यवहार करेंगे, सामान्य रेल सेवा की उतनी ही जल्दी बहाली होगी। तय है, आने वाले दिनों में जो भी सेवाएं बहाल होंगी, उन्हें सुचारु रखने की जिम्मेदारी हम सजग नागरिकों पर होगी।

देश की आर्थिक रफ्तार न थमे

बुनियादी ढांचे के विकास में मजबूती से आगे बढ़ना सातवां कदम है। अगले दशक में सड़क, पुल, बंदरगाह, हवाई अड्डे और मेट्रो जैसे बुनियादी ढांचे में निवेश हो सकता है। सरकार ने अगले पांच वर्ष के लिए पहले ही 1,02,000 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन कर दिया है। यह ध्यान में रखकर कि बाद के पांच वर्षों में भी इतनी ही राशि आवंटित की जा सकती है, कुल राशि बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ रोजगार-सृजन के लिए भी काफी मददगार होगी। आठवां, ज्यादातर क्षेत्रों में 51-100 फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की मंजूरी मिले। भारत को वैश्विक पूंजी की सख्त दरकार है। राष्ट्र-समर्थित कई वैश्विक फंड के साथ पर्याप्त तरलता आती है। देश में ऐसे कई क्षेत्र हैं, जिनमें सिर्फ 49 फीसदी तक विदेशी निवेश की अनुमति है। इसे बढ़ाकर 74 से 100 फीसदी किया जाना चाहिए। इसके अलावा, केंद्र व राज्यों में सिंगल-विंडो मंजूरी सुविधा देकर हम विदेशी निवेशकों को आकर्षित कर सकते हैं। इसमें हमारा ध्यान मुख्यत: अक्षय ऊर्जा, भंडारण, बायोटेक इलेक्ट्रिक वाहन, कृत्रिम बुद्धिमता और साइबर सुरक्षा पर होना चाहिए। नौवां, राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर करने वाली कंपनियों को वैश्विक बनाना चाहिए। निजी व सार्वजनिक क्षेत्र की ऐसी कंपनियों को विश्व-स्तर पर उभरने में मदद मिलनी चाहिए। दसवां, औद्योगिक क्षेत्रों के नेतृत्व को भी रोल मॉडल की तरह पेश करना चाहिए। हमें सरकारी, बहुराष्ट्रीय व स्टार्ट-अप कंपनियों के नेतृत्व को नामित करना चाहिए, ताकि वैश्विक सफलता के इरादे से उनकी उद्यमशीलता, प्रभावी कार्य-योजना, तीव्र कार्य-निष्पादन, इनोवेशन और पारदर्शिता जैसे गुणों को बढ़ावा मिल सके। इस तरह, हम युवा इंजीनियरोंव प्रबंधकों को प्रोत्साहित कर सकेंगे।

आर्थिक सुधार के लिए केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कई तरह के कदम उठाए हैं। मगर आज जरूरत है ऐसी व्यावहारिक कार्य-योजना की, जिससे 2021-22 में पूर्व की भांति विकास दर छह से सात फीसदी हो जाए। अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्रियों ने भारत और चीन को छोड़ शेष अर्थव्यवस्थाओं में तेज गिरावट का अंदेशा जताया है। कहा गया है कि इन दोनों देशों में विकास दर बेशक गोते लगाएगी, पर उनमें शायद ही ज्यादा सिकुड़न हो। जाहिर है, जर्मनी व जापान ने दूसरे विश्व युद्ध के बाद जैसी दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाई, हम भी यदि एक टीम के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर वैसा ही कर सके, तो कोविड-19 के दुष्प्रभावों से बाहर निकल सकते हैं। सुधारों को लेकर ये दस बड़े कदम उठाए जा सकते हैं, जो अर्थव्यवस्था के हित में हैं। पहला, नई हरित क्रांति की शुरुआत। बेशक 1960 के दशक की पहली हरित क्रांति के कारण बड़े पैमाने पर पैदावार बढ़ी, पर भारत अब भी वैश्विक भूख सूचकांक में 119 देशों की सूची में 103वें स्थान पर है। इसलिए हमें कृषि पैदावार बढ़ानी होगी और कृषि में स्वचालित मशीनों का अधिकाधिक इस्तेमाल करना होगा। इसके अलावा, कृषि प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देना होगा, कोल्ड स्टोरेज की एकीकृत शृंखला बनानी होगी, बड़े-बड़े फूड पार्क बनाने होंगे। इन सबसे किसानों की आय दोगुनी करने के घोषित लक्ष्य को पाना आसान होगा। दूसरा कदम है, स्मार्ट गांव की स्थापना। इसके तहत छह लाख से अधिक गांवों का आधुनिकीकरण होना चाहिए। इससे लगभग 50 करोड़ लोगों का जीवन बदल सकेगा। आबादी के बोझ से हांफते शहरों को भी इससे राहत मिलेगी। गांवों में जिन दस सेवाओं की सख्त जरूरत है, उनमें पक्का आवास, बारहमासी सड़कें, शत-प्रतिशत विद्युतीकरण, पीने योग्य पानी, सस्ती गैस, ब्रॉडबैंड का इन्फ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य केंद्र प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल, 'किसान' दुकानें और पशु-फार्म हैं। तीसरा, हमें अधिक से अधिक विशेष आर्थिक क्षेत्र, यानी सेज बनाने होंगे। नई इकाइयों के लिए कम टैक्स की सरकार की घोषणा और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के लिए आकर्षक मेक इन इंडिया नीति के बाद, चीन पर निर्भर न रहने वाले तमाम क्षेत्रों के लिए आपूर्ति-शृंखला का आधार बनाने के वास्ते आक्रामक विनिर्माण नीतियां बनानी होंगी। भारत अपने विशाल घरेलू बाजार के कारण छोटे एशियाई देशों की तुलना में बेहतर विकल्प है। हमें कंपनियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए आगे आना होगा। और ऐसा तभी हो सकता है, जब हम मौजूदा सेज को उन्नत करें और शेन्जेन व पुडोंग की तरह अधिकाधिक रोजगार मुहैया कराने वाले नए सेज बनाएं। चौथा, स्कूली व अंतर-स्नातक तक की शिक्षा बेहतर होनी चाहिए। कई बच्चे, खासतौर से लड़कियां आज भी उच्च माध्यमिक शिक्षा व विश्वविद्यालयों से दूर हैं। हमें भविष्योन्मुख और डिजिटल पाठ्यक्रम के साथ-साथ मध्य, उच्च माध्यमिक स्कूलों और विश्वविद्यालयों में अच्छा-खासा निवेश करना होगा। पांचवां, अत्याधुनिक स्वास्थ्य तंत्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ना। स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच व गुणवत्ता के लिहाज से 2018 के सूचकांक में भारत का स्थान विश्व में 145वां था। यहां 55,591 लोगों पर एक सरकारी अस्पताल है व प्रति हजार लोगों पर 0.55 बेड। आबादी के लिहाज से देश में पांच लाख डॉक्टरों की कमी है। कोविड-19 ने भारत के स्वास्थ्य ढांचे को बेनकाब कर दिया है। लिहाजा इस क्षेत्र में भी भारी निवेश करना होगा। छठा कदम है, प्रौद्योगिकी के विकास पर ध्यान। इस मामले में भारत पिछड़ रहा है, इसलिए अनुसंधान और विकास पर ध्यान देने की जरूरत है। सरकार ने क्वांटम तकनीक पर राष्ट्रीय मिशन के तहत 8,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, बौद्धिक संपदा अधिकारों की अर्जी और सुरक्षा के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है, विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों के लिए 'नॉलेज ट्रांसलेशन क्लस्टर' बनाए हैं व भारतनेट से एक लाख ग्राम पंचायतों को जोड़ने के लिए 6,000 करोड़ रुपये जारी किए हैं, फिर भी निजी क्षेत्र के साथ मिलकर सरकार को 2030 के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी एजेंडे पर बढ़ना चाहिए।

बुनियादी ढांचे के विकास में मजबूती से आगे बढ़ना सातवां कदम है। अगले दशक में सड़क, पुल, बंदरगाह, हवाई अड्डे और मेट्रो जैसे बुनियादी ढांचे में निवेश हो सकता है। सरकार ने अगले पांच वर्ष के लिए पहले ही 1,02,000 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन कर दिया है। यह ध्यान में रखकर कि बाद के पांच वर्षों में भी इतनी ही राशि आवंटित की जा सकती है, कुल राशि बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ रोजगार-सृजन के लिए भी काफी मददगार होगी। आठवां, ज्यादातर क्षेत्रों में 51-100 फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की मंजूरी मिले। भारत को वैश्विक पूंजी की सख्त दरकार है। राष्ट्र-समर्थित कई वैश्विक फंड के साथ पर्याप्त तरलता आती है। देश में ऐसे कई क्षेत्र हैं, जिनमें सिर्फ 49 फीसदी तक विदेशी निवेश की अनुमति है। इसे बढ़ाकर 74 से 100 फीसदी किया जाना चाहिए। इसके अलावा, केंद्र व राज्यों में सिंगल-विंडो मंजूरी सुविधा देकर हम विदेशी निवेशकों को आकर्षित कर सकते हैं। इसमें हमारा ध्यान मुख्यत: अक्षय ऊर्जा, भंडारण, बायोटेक इलेक्ट्रिक वाहन, कृत्रिम बुद्धिमता और साइबर सुरक्षा पर होना चाहिए। नौवां, राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर करने वाली कंपनियों को वैश्विक बनाना चाहिए। निजी व सार्वजनिक क्षेत्र की ऐसी कंपनियों को विश्व-स्तर पर उभरने में मदद मिलनी चाहिए। दसवां, औद्योगिक क्षेत्रों के नेतृत्व को भी रोल मॉडल की तरह पेश करना चाहिए। हमें सरकारी, बहुराष्ट्रीय व स्टार्ट-अप कंपनियों के नेतृत्व को नामित करना चाहिए, ताकि वैश्विक सफलता के इरादे से उनकी उद्यमशीलता, प्रभावी कार्य-योजना, तीव्र कार्य-निष्पादन, इनोवेशन और पारदर्शिता जैसे गुणों को बढ़ावा मिल सके। इस तरह, हम युवा इंजीनियरोंव प्रबंधकों को प्रोत्साहित कर सकेंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अभी बाकी है। पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य पाने के लिए प्रमुख क्षेत्रों में नए निवेश को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी पड़ेगी। चार्ली चैपलिन ने कहा था कि इस निर्मम दुनिया में कुछ भी स्थाई नहीं, हमारी परेशानियां भी नहीं। इसे ध्यान में रखते हुए हमें आगे बढ़ना चाहिए।

विचार मंथन

राजा को सडक पर लाकर, लड़ेंगे महाराजा चुनाव

सनत जैन

विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में वह पर्दे के पीछे रहकर समन्वय बनाने के नाम पर जो षड्यंत्र रच रहे थे। उसका जवाब देने की अब ज्योतिरादित्य सिंधिया रणनीति बना रहे हैं। उसमें राजा दिग्विजय सिंह को भी उप चुनाव में सड़कों पर उतरकर सामने आना होगा। दिग्विजय सिंह चुनाव मैदान में सामने होंगे, तो सिंधिया और भाजपा के लिए जीत ज्यादा आसान होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जिस तरह से मध्य प्रदेश एवं केंद्र की राजनीति में ज्योतिरादित्य सिंधिया को नेपथ्य में डालने का प्रयास किया था। उससे सिंधिया काफी नाराज हैं। उन्हें अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामना पड़ा। सिंधिया परिवार के लिए यह अस्तित्व की लड़ाई है। राजमाता सिंधिया ने भी तत्कालीन मुख्यमंत्री डीपी मिश्रा से नाराज होकर कांग्रेस की सरकार 1967 में गिराई थी। माधवराव सिंधिया का अपमान जब तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हाराव ने किया तब उन्होंने भी कांग्रेस पार्टी छोड़कर नई पार्टी बना ली थी। माधवराव की पार्टी को चुनाव में मप्र में कोई सफलता नहीं मिली। सोनिया गांधी द्वारा उन्हें वापस कांग्रेस में ले लिया गया था। सिंधिया परिवार के ज्योतिरादित्य सिंधिया तीसरे व्यक्ति हैं। जिन्हें सड़क में उतरने की बात कहकर सिंधिया खानदान को, जो चुनौती दी गई है। अब यह उनके लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गई है। कांग्रेस छोड़कर अब वह सिंधिया खानदान के प्रतिष्ठा और राजनैतिक भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं।

चुनाव आयोग ने 24 सीटों के उपचुनाव के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके साथ ही मध्य प्रदेश की सियासत में सक्रियता बढ़ गई है। सिंधिया समर्थक जिन विधायकों ने इस्तीफा दिए हैं। उसमें लगभग 18 सीटें ग्वालियर और चंबल संभाग की हैं। यहां पर उप चुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया को अपना वर्चस्व बनाने और दिखाने की चुनौती है। पूर्व मुख्यमंत्री राजा दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस की राजनीति में ज्योतिदित्य सिंधिया को अलग-थलग करने के लिए हर संभव प्रयास किया था।

सिंधिया को सांसद रहते भोपाल में नहीं मिला आवास: मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बन जाने के बाद भी ज्योतिरादित्य सिंधिया को आवास आवंटित नहीं किया गया। यह भी उनके लिए एक प्रतिष्ठा का प्रश्न था। मंत्रिमंडल के गठन से लेकर उसके बाद, जिस तरह से उनके कोटे के मंत्रियों को उपेक्षित करके रखा गया था। सिंधिया से भी कोई राय नहीं ली जा रही थी। दिग्विजय सिंह के कहने पर सारे काम मुख्यमंत्री के रूप में कमलनाथ कर रहे थे। ऐसी स्थिति में ज्योतिरादित्य सिंधिया को नेपथ्य में डालने की जो राजनीति दिग्विजय सिंह कर रहे थे। अस्तित्व को बचाए रखने के लिए, ज्योतिरादित्य सिंधिया को कांग्रेस छोडने को विवश होना पडा। अब भाजपा में वह अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए इस उपचुनाव में अपनी सारी ताकत लगाएंगे। उन्हें कम से कम 18 से 20 सीटें उपचुनाव में जितवाना होंगी। तभी उनकी भाजपा में पकड़ मजबूत और भविष्य सुरक्षित होगा।

सिंधिया के कारण ग्वालियर चंबल संभाग में भाजपा को मिलती थी चुनौती: ग्वालियर चंबल संभाग में माधवराव सिंधिया, उसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया के रहते हुए भाजपा यहां पर वर्चस्व नहीं बना पाई। भाजपा यहां पर राजमाता के होते हुए एकाधिकार कायम करना चाहती थी, वह कभी नहीं हो पाया। एक सुनियोजित रणनीति के तहत भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को भाजपा में प्रवेश दिया है। ज्योतिरादित्य सिंधिया के ऊपर यह जिम्मेदारी होगी कि वह अपनी लोकप्रियता से उपचुनाव में ग्वालियर चंबल संभाग की सभी सीटों के चुनाव पुनः जितायें। सिंधिया इसमें सफल होंगे तभी उनकी भाजपा में स्थिति मजबूत होगी। यदि उनके आने के बाद भी उपचुनाव में वह अपने सभी समर्थकों को जिताकर नहीं ला पाए, तो यह उनकी लोकप्रियता और उनके प्रभाव में कमी मानी जाएगी। ऐसी स्थिति में ज्योतिरादित्य सिंधिया को भाजपा के अंदर से चुनौतियां मिलना शुरू हो जाएंगी। जिसके कारण सिंधिया के लिए यह अस्तित्व की लड़ाई बन गई है।

सिंधिया और भाजपा आश्वस्त: मध्यप्रदेश में जिन 24 सीटों पर उप चुनाव होने जा रहे हैं। वहां पर कांग्रेस के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में संगठन से नाराज हैं। ग्वालियर चंबल संभाग के कई जिलों में ऐसे कोई नेता नहीं है, जो सिंधिया या भाजपा का मुकाबला कर पाए। भाजपा में इस बात की चर्चा है कि विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस के पास ना तो कार्यकर्ता हैं और ना ही उपयुक्त उम्मीदवार है। कांग्रेस के पास पर्याप्त संसाधन भी नहीं हैं। कांग्रेस के पास ऐसे कोई नेता भी नहीं है, जो ज्योतिरादित्य सिंधिया की लोकप्रियता और उनकी भाषण शैली में उनके सामने टिक पाए। सिंधिया का प्रभाव एवं लोकप्रियता कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं में भी बनी हुई है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस का चुनाव प्रचार करने के लिए कमलनाथ-दिग्विजय सिंह के अलावा कोई ऐसा चेहरा नहीं है। जो स्टार प्रचारक के रूप में मतदाताओं को प्रभावित कर सके। इसको लेकर भाजपा और सिंधिया काफी आश्वस्त हैं कि भाजपा उपचुनाव में लगभग 20 सीटें आसानी से जीत लेगी।

कमलनाथ की प्रतिष्ठा उपचुनाव में दांव पर लगेगी: पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ की प्रतिष्ठा भी इस उपचुनाव में दांव पर लगी होगी। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की छवि आम जनता के बीच में अच्छी नहीं मानी जाती है। 2003 से लेकर 2018 तक के चुनाव प्रचार में कांग्रेस ने दिग्विजय सिंह को चुनाव मैदान में नहीं उतारा। भाजपा ने सुनियोजित रुप से दिग्विजय सिंह की छवि जनता के बीच बंटाधार के रुप में बना रखी है। जिसके कारण उन्हें 2018 के चुनाव में पर्दे के पीछे से समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। वर्तमान में जो स्थिति है, उसमें सारे प्रदेश में यह संदेश गया है कि सही मायने में सत्ता पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का नियंत्रण था। चीफ सेक्रेटरी, डीजी और प्रमुख पदों पर जो अफसर बैठे थे। वह सब दिग्विजय सिंह के भरोसेमंद अधिकारी थे। दिग्विजय सिंह ने सुनियोजित रणनीति के तहत कमलनाथ को इन अधिकारियों के चंगुल में फंसाकर मंत्रालय में बैठक करने और योजनाएं बनाने के काम में लगाकर कैद कर दिया था। अब 24 सीटों पर उपचुनाव होना है। मुख्यमंत्री रहते हुए कमलनाथ ने आम जनता के बीच जाकर दौरे नहीं किए। जनता के साथ मुख्यमंत्री के रुप में कम संवाद हुआ है। मीडिया में भी कमलनाथ कम आए हैं। सिंधिया के जाने से संगठन भी बहुत कमजोर हो गया है। मुख्यमंत्री और संगठन की दोनों जिम्मेदारी कमलनाथ के पास है। ऐसी स्थिति में अब उप चुनाव में जीत या हार का जो भी परिणाम होगा, उसका सेहरा कमलनाथ के सिर पर ही बंधेगा।

ज़िंदगी

ज़िंदगी कुछ इस तरह से
निकलती जाती है...
हर मोड़ पर इक सपने को
कुचलती जाती है.. !
अपनी ख्वाहिशों को कुछ लोग
फिर भी दबा लेते हैं..
जो अपने हिस्से की थोड़ी सी
साँसे बचा लेते हैं... !
उनमे से भी कुछ ख्वाहिशों को
मसलती जाती है...
ज़िन्दगी कुछ इस तरह से
निकलती जाती है.. !
सूरज की जो किरणें,
सुनहरी भोर लाती थीं..
घोर अंधेरे में आशा की,
ज्योति दिखाती थीं.. !
उन्हीं किरणों से अब
दुनियाँ जलती जाती है...
ज़िन्दगी कुछ इस तरह से
निकलती जाती है... !
जीने के लिए खुद को,
लम्हा लम्हा तोड़ता है आदमी..
एक उम्र बिताने के लिए,
हर पल का हिसाब जोड़ता है
आदमी.. !
फिर भी मुट्ठी से जैसे रेत
फिसलती जाती है..
ज़िन्दगी कुछ इस तरह से
निकलती जाती है.. !
अपनों की भीड़ में अब
सिर्फ तन्हाई का साथ है..
सुख-दुख बाँट लेना अब
तकल्लुफ की बात है..
बदलते वक्त में रिश्तों की
परिभाषा भी बदलती जाती है..
ज़िन्दगी कुछ इस तरह से
निकलती जाती है... !

प्रियंका कटारे प्रिराज
ग्वालियर मप्र

माँ

ममता में अनंत आँसू बहाने वाली
दर्द में आँखों को सूखा रखती है ,
अपने हिस्से का भी बाँटकर हमें
माँ अक्सर खुदको भूखा रखती है ।
कैसे बचा लेती है बुरी नज़रों से भी
मुझे तो हर दिन तू फ़रिश्ता लगती है ,
जाने अनजाने भूल जाते हैं हम तुझे
फिर भी हम मूखों से रिश्ता रखती है ।
हमारी ज़िद पर सब लुटाने वाली
अपनी खुशियों का गला घोंटती है ,
जो थी कभी बिल्कुल हम जैसी
अब सपनों को चूल्हे में झोंकती है ।
हम आंकते थे कम बचपन में जो
अब जाना कितने करिश्में करती है ,
उठ ऊपर उसे नीचा दिखाते हैं जो
माँ न कभी कोई शिकवे रखती है ।
चिंता में हमारी विचलित हो जाती
हर उम्र संग माँ बन खुदा चलती है ,
नहीं जरूरत किसी ईश्वर भक्ति की
जिस घर माओं की दुआ लगती है।

आकांक्षा भटनागर
ग्वालियर मप्र

मां से कुछ शिकायतें

शायद थोड़ा लेट हो गया पर करता भी क्या दिल
के शब्द पन्नो पर उतरने में अक्सर वक़्त तो लग
ही जाता हैं।
वो कहते है ना हर दर्द की एक मरहम होती है
हर सफलता में छिपी एक दुआ होती हैं
हर जगह भगवान नहीं होते
इसीलिए ही तो माँ होती है ।
माँ वैसे तो बड़ा ही छोटा शब्द है , पर इस छोटे से
शब्द की गहराइयाँ बेहद बड़ी है।
वैसे तो पहले ही एक लम्बी क़तार होगी माँ के
ऊपर लेख लिखने वालो की,पर लगा कि जैसे
मुझे भी इस दौड़ में भाग लेना चाहिए।
अनेक उल्लेखों में पहले ही माँ का वर्णन
बेहतरीन शब्दों में किया जा चुका हैं, इसीलिए
आज मैं माँ की तारीफ़ नहीं करूँगा। कमियाँ तो
हर इंसान में होती है , और आख़िर माँ भी तो
इंसान ही हैं!!
आज हर माँ से कुछ शिकायत है...
क्यू नहीं करती है आराम तू माँ?
भगवान ही समझती है खुद को क्या ??
सोने से पहले रसोई
उठ कर फिर पहले रसोई
भूख तो सबको लगती है माँ
फिर तू अकेले क्यू बनाती है आटे की लोई
बेटे की फ़रमाइश थी
जिद्द पूरी होने की ख़्वाहिश थी

तब तूने अपने सपने भूलकर
की उसके लिए सबसे सिफ़ारिश थी
बेटी पर भी बस ना चला
वो भी चली थी दिखाने अपनी कला
खुद तो तू शांत रह जाती है हर बात पर
फिर क्यू ना रोका उसको भला
रसोई बच्चों से भी ज़्यादा है जो प्यारा
हाँ वो प्रीतम है तुम्हारा
हर काम छोड़ क्यू बावली हो जाती हैं तू
है ऐसा भी क्या इस एहसास में इतना गहरा
घर का पूरा काम कर
हिसाब में भी कुछ हाथ बटाकर
क्यू खुद को गृहिणी कहती है
अब बस कर, खुद के साथ ये अन्याय ना कर
जब कोई काम भारी पड़ता
या जब तुझसे कोई झगड़ता
माँ काम तेरा तब भी नहीं रुकता
क्या तब भी तेरा दिल खुद से नहीं लड़ता
जब घर का कोई सदस्य बीमार हो
या फिर आलस से वो घिरा हो
कहाँ से लाती है माँ तब तू इतनी शक्ति
शायद इसीलिए दुनिय चूमती है तेरे क़दमों की
मिट्टी
क्यूं नहीं करती है आराम तू माँ?
भगवान ही समझती है खुद को क्या ??
आखिरी कुछ पंक्तिया , इस माहौल को देखते
हुए...
फ़ाइवस्टार होटेल से लेकर बंद पड़ी है राशन
तक की हर छोटी दुकाने
फिर भी महकता है रसोई घर माँ पता नहीं कैसे
शायद हम नहीं लगा सकते माँ तेरे प्यार के
अंदाज़े
रब ही जाने तेरे दिल में है कितने ख़ज़ाने...

अरविंद द्विवेदी
ज्योतिषी व परामर्शदाता

उजाला

इस काली अंधियारी में,
एक दीप उजाला निकलेगा।
थोड़ा खुद को रोको प्यारे,
हर हाल रास्ता निकलेगा ।
जरा कैद रहो बाशिंदों में,
दो वक्त जरा सा थम जाओ।
तिमिर मिटेगा गलियारे का,
थोड़ा खौफ में आ जाओ।
सितम किया तूने कुदरत पर,
अब उसका परिणाम तो निकलेगा।
इस काली अंधियारी में,
एक दीप उजाला निकलेगा।
कुछ ऐसे भी लाल हैं अपने,
जो पल भर भी ना झपके हैं।
देश बचाने की खातिर ही,
काल डोर पर लटके हैं ।
त्राहि-त्राहि मची हुई है,
अब इससे यही उभारेंगे।
इस कुदरत की महामारी को,
डंके की चोट पर मारेंगे।
दूर रहो और रुको खुद को,
फिर स्वर्णिम सूरज निकलेगा।
इस काली अंधियारी में,
एक दीप उजाला निकलेगा।

- पं आशीष देवेन्द्र पाठक

क्राइम पेट्रोल फेम शफीक अंसारी का हुआ कैंसर से निधन

बॉलीवुड एक्टर इरफान खान और ऋषि कपूर के बाद इंडस्ट्री से एक और बुरी खबर सामने आ रही है। टीवी के फेमस सीरियल 'क्राइम पेट्रोल' फेम शफीक अंसारी का 52 की उम्र में निधन में हो गया है। शफीक अंसारी ने 10 मई को अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे। शफीक अंसारी को कल सांस लेने में तकलीफ हुई, जिसके बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। सिने और टीवी आर्टिस्ट असोसिएशन ने न्यूज देते हुए लिखा कि शफीक अंसारी के परिवार के साथ हमारी संवेदनाएं। वह जून 2008 से हमारे साथ जुड़े थे।

शफीक अंसारी की पत्नी ने कहा कि वह पूरे दिन ठीक थे लेकिन शाम को उनकी तबियत बिगड़ गई। इलाज के दौरान ही उन्होंने दमतोड़ दिया। उन्होंने कहा कि अंसारी आयुर्वेदिक उपचार करा रहे थे और उनकी स्थिति में सुधार हुआ है। शफीक अंसारी के निधन के बाद उनकी फैमिली और टीवी जगत सदमे में है। बता दें कि शफीक अंसारी को पेट का कैंसर था और वह कई सालों से इससे जूझ रहे थे। उन्हें थोरेसिक कैंसर की बीमारी थी। 6 महीने पहले लंग में भी इंफेक्शन हो गया था और कुछ वक्त से बीच-बीच में ऑक्सीजन पंप के सहारे से इन्हें सांस लेने की जरूरत पड़ती थी। आपको बता दें कि शफीक अंसारी ने इंडस्ट्री में राइटर और असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में भी काम किया है। साल 2003 में अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी की सुपरहिट फिल्म 'बागबान' के वह स्क्रीनराइटर रह चुके हैं। आपको बात दें कि सिनेमा और टीवी इंडस्ट्री से जुड़े दो दिग्गज इस दुनिया को अलविदा कह चुके हैं। 29 अप्रैल को इरफान खान और 30 अप्रैल को ऋषि कपूर भी कैंसर की बीमारी के चलते इस दुनिया को अलविदा कह गए हैं। स्टार्स के निधन के सदमे से अभी तक उनकी फैमिली और फैंस उबर नहीं पाए। इन दोनों स्टार्स का जाना इंडस्ट्री के लिए बड़ा झटका रहा है।

कोरोना का कहर

पुलिसवालों की सुविधा के लिए दी गई बॉलीवुड सेलेब्स की वैनिटी वैन

कोरोना वायरस अब दुनियाभर में आग की तरह फैल चुका हैं। हर देश में इस वायरस की चपेट में लाखों लोग आ रहे है। तो वहीं हजारों लोगों की जानें जा रही है। भारत में भी कोरोना वायरस आए दिन तेजी से फैल रहा है। सरकार इससे बचने के लिए लोगों से घर में रहने की अपील कर रही है।

ये लड़ाई पूरा देश एक साथ मिलकर लड़ रहा है। हर कोई डॉक्टर, नर्स, पुलिसवाले की मदद कर रहा है। बॉलीवुड सेलेब्स भी इस मदद में आगे आ रहे हैं। वहीं अब इन वॉरियर्स की मदद के लिए आगे आए है केतन रावल आगे आए हैं। जिन्होंने बॉलीवुड सेलेब्स की वैनिटी वैन को पुलिसवालों की सुविधा के लिए दी हैं। उन्होंने अपनी 18 वैनिटी वैन पुलिसवालों को मदद के लिए दी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक बताया कि उन्हें पता चला कि महिला पुसिकर्मी जानबूझकर तपती गर्मी में भी कम पानी पी रही हैं जिससे बार बार उन्हें वॉशरूम ना जाना पड़े। महिलाएं भी मुश्किल से ड्यूटी कर पा रही हैं। ऐसे में ये वैनिटी वैन्स महिला पुलिसवालों की मदद करेगी। इसलिए उन्होंने 18 वैनिटी वैन्स पुलिसवालों को दी हैं। बता दें कि केतन की वैनिटी वैंस बॉलीवड सितारों को दी जाती है, लेकिन लॉकडाउन की वजह से ये वैनिटी वैन का इन दिनों कोई काम नहीं है जिसके चलते उन्होंने ये वैन कोरोना वॉरियर्स के लिए दी हैं। बताया जा रहा है कि बॉलीवुड को वो हर दिन 50-60 वैनिटी वैन्स सप्लाई करते थे। सैफ, कंगना, तापसी, सोनाक्षी, अर्जुन रामपाल,, शिल्पा शेट्टी, रोहित शेट्टी और संजय लीला भंसाली जैसे लोगों को वो अपनी वैनिटी वैन देते थे। आपको बता दें, वैनिटी वैन्स का इस्तेमाल फिल्मों की शूटिंग के दौरान एक्टर्स मेकअप करने, कपड़े चेंज करने, आराम करने और वॉशरूम वगैरह इस्तेमाल करने के लिए करते हैं। कई बॉलीवुड सितारों के पास खुद की वैनिटी वैन हैं, जिसमें सलमान खान, शाहरुख खान, आलिया भट्ट और अजय देवगन जैसे सितारे शामिल हैं।

शहनाज गिल और जस्सी गिल का ब्रेकअप सॉन्ग रिलीज

पंजाबी सिंगर शहनाज कौर गिल और जस्सी गिल का ब्रेकअप सॉन्ग कह गई सॉरी रिलीज हो गया है। पोस्टर और टीजर रिलीज होने के बाद शहनाज और जस्सी के इस गाने का फैंस काफी इंतजार कर रहे थे।आज फाइनली सॉन्ग रिलीज कर दिया गया है। गाने में जस्सी और शहनाज के बीच ब्रेकअप होता दिखाया गया है। गाने की शुरूआत होती है शहनाज के साथ जिसमें वो जस्सी से कहती हैं, आज के बाद मुझे दोबारा कॉल मत करना क्योंकि हमारा कोई फ्यूचर नहीं है... आई एम सॉरी। इसके बाद दोनों एक दूसरे को बहुत मिस करते हैं। ये पहली बार है जब दोनों पंजाबी सिंगर किसी गाने में साथ नजर आ रहे हैं। इससे पहले बिग बॉस 13 फेम शहनाज कौर गिल, सिद्धार्थ शुक्ला के साथ एक सॉन्ग 'भुला दूंगा' में नजर आई थीं। बिग बॉस से बाहर आने के बाद दोनों के साथ में ये पहला गाना था। क्योंकि शहनाज और सिद्धार्थ की जोड़ी लोग काफी पंसद करते हैं, इसलिए गाने को भी फैंस ने काफी पसंद किया। इत्तेफाक की बात देखिए 'भुला दूंगी' भी शहनाज का ब्रेकअप सॉन्ग था। आपको बात दें कि शहनाज कौर गिल एक फेमस पंजाबी सिंगर हैं। लेकिन वो देशभर में पॉपुलर तब हुईं जब वो बिग बॉस 13 में नजर आईं। शहनाज की क्यूटनेस ने लोगों का दिल जीत लिया। शो में उनकी और सिद्धार्थ शुक्ला की बॉन्डिंग ने जबरदस्त शुर्खियां बटोरीं थीं। शहनाज बिग बॉस 13 की विनर तो नहीं बन पाईं, लेकिन उनका पॉपुलेरिटी को देखते हुए उन्हें कलर्स का एक और शो मिल गया। बिग बॉस के बाथ शहनाज 'मुझसे शादी करोगे' में नजर आईं हालांकि ये शो फ्लॉप रहा। शहनाज खुद ये कह चुकी हैं कि उन्हें पछतावा है कि उन्होंने इस शो में काम किया।

फोन बूथ' से पर्दे पर धमाल मचाएंगे ईशान, साथ नजर आएंगी कटरीना और सिद्धांत की तिकड़ी

साल 2018 में मराठी फिल्म 'सैराट' के हिन्दी रिमेक 'धड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैंडसम एक्टर ईशान खट्टर जल्द ही बॉलीवुड दीवा कटरीना कैफ के साथ स्क्रीन शेयर करने वाले है, और इसका खुलासा खुद ईशान ने एक लाइव चैट में किया है साथ ही इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी भी नजर आएंगे। फिल्म धड़क के जरिए ईशान खट्टर ने अपनी एक्टिंग और डांसिंग स्किल के जरिए फैन्स को काफी इम्प्रेस किया और लोगों के दिल में अपनी जगह बनाने में कामयाब हो गए, और अब ईशान ने एक लीडिंग टेबलाइड से लाइव चैट में अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट पर खुलकर बात की और अपने फैन्स के लिए खुशखबरी भी दी। ईशान खट्टर की अगली फिल्म का नाम 'फोन बूथ' है जिसमें काम करने के लिए एक्टर काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। इंस्टाग्राम लाइव चैट के दौरान, एक फैन ने ईशान को फिल्म 'फोन बूथ' के बारे में कुछ बताने के लिए कहा, जिसपर ईशान ने सिद्धांत चतुर्वेदी और कैटरीना कैफ के साथ करने की पुष्टि की। ईशान ने कहा, ह्लमैंने फिल्म की कहानी सुनी है और ये बहुत ही इंट्रिस्टिंग है। स्क्रिप्ट की जितनी तारीफ करूं वो कम है। उम्मीद है, एक बार जब चीजें आगे बढ़ेंगी तो उस पर अधिक जानकारी होगी। ईशान ने आगे कहा, - मुझे नहीं लगता कि सिद्धांत ने पुष्टि की और न ही उन्होंने फिल्म पर उठ रहे किसी भी रुमरका खंडन किया और मैं भी ऐसा ही करने जा रहा हूं। लेकिन ये जरूर कहूंगा कि ये फिल्म ऐसी है जिसकी मुझे तलाश थी।

लॉकडाउन के बीच दो महीने बाद ऐसे घर से बाहर निकलीं प्रियंका चोपड़ा

कोरोना वायरस महामारी की वजह से भारत समेत कई देश अब भी लॉकडाउन हैं। लॉकाडाउन की वजह से सेलेब्स भी अपने-अपने घरों में बंद हैं। इस दौरान कोई अपने परिवार के साथ रह रहा है तो कुछ परिवार से दूर किसी दूसरे शहर में फंसे हैं। कुछ सेलेब्स तो ऐसे भी हैं जो कम से कम एक या दो महीने से घर से बाहर ही निकले हैं।

इन सेलेब्स में बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा का भी नाम शामिल है। प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर कर बताया है कि वो करीब 2 महीने से बाहर नहीं निकलीं। लेकिन दो महीने बाद अब वो बाहर निकली हैं। प्रियंका इंस्टाग्राम पर जो फोटो शेयर की है उसमें उन्होंने मास्क पहन रखा है। क्लोजअप सेल्फी में प्रियंका की बस आंखें और उड़ते हुए बाल नजर आ रहे हैं। फोटो शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, आंखें कभी शांत नहीं होतीं। दो महीने में पहली बार घर से बाहर निकली। इस मास्क के लिए शुक्रिया।

मदर्स डे पर मां और सासू मां को ऐसे किया विश

प्रियंका चोपड़ा ने मदर्स पर बड़े ही खास अंदाज में मां मधु चोपड़ा और सास को विश किया था। प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की थी जिसमें एक्ट्रेस की दोनों मां नजर आ रही थीं। वीडियो के साथ प्रियंका ने मां के लिए एक खास मैसेज भी दिया था।

घर पर ऐसे टाइम स्पैंड कर रही हैं प्रियंका

घर पर रहने के दौरान प्रियंका घर पर जमकर मस्ती कर रही हैं। सोशल मीडिया पर वो लगातार एक्टिव हैं और क्वारंटाइन के दौरान वो कैसे टाइम स्पेंड रही हैं इसके वीडियो और फोटो वो सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने अपनी करीबी दोस्त दिव्या ज्योति की बेटी कृष्णा के साथ अपनी वीडियो और फोटोज शेयर की थी जिसमें वो उसके साथ खेलती नजर आ रही थीं।

इंस्टाग्राम पर नोरा फतेही के हुए 13 मिलियन फॉलोवर्स

बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही ने अपने पर्फोर्मेंस से सभी के दिल में एक खास जगह बनाई है। नोरा के डांस और परफॉर्मन्स के सभी कायल है। नोरा के फैंस सिर्फ भारत ही नहीं पूरे वर्ल्ड में है, उनके फैंस में बड़ो बूढ़ो से लेकर युवा और छोटे छोटे बच्चे भी है। साथ ही एक अच्छी खबर मिली है कि नोरा के इंस्टाग्राम पर 13 मिलियन फॉलोवर्स हो गए हैं और अब नोरा मोरोक्कन सेलेब्रिटीज में नंबर एक पर है तो वहीं मांटेना नंबर 2 पर खिसक गए है। कुछ महीने पहले ही नोरा ने पेरिस के ओलंपिया में, पिंक फ़्लॉइड, द बीटल्स, जेनेट जैक्सन, मैडोना और टेलर स्विफ्ट के कॉन्सर्ट की जगह परफॉर्म किया है। यह नोरा का पहला म्यूजिक कॉन्सर्ट था और उन्होंने दिलबर, साकी साकी, कमरिया और एक तो कम जिंदगानी जैसे सॉन्ग्स को गाया भी था। यह एक हॉउसफुल शो था, जिसमें भारत, मध्य पूर्व और मोरक्को के दर्शक आए हुए थे। तथा उनके नोरा ने अपने अल्बम से, अंग्रेजी सॉन्ग पेपेटा और दिलबर का अरबी संस्करण भी गाया था, नोरा का क्रेज इसी बात में समझ मे आता है कि नोरा ने फ्रेंच मांटेना जो की एक रैपर है उनको को इंस्टाग्राम पर फॉलोवर्स के मामले में पीछे छोड़ दिया है और वो आगे निकल आई है। देखा जाए तो दोनों नोरा और फ्रेंच मांटेना मोरक्को से आते है लेकिन फ्रेंच मांटेना एक अमरीकन रैपर हिप हॉप आर्टिस्ट भी है और दोनों भी विश्वस्तरीय कलाकार है और दोनों भी अपनी अपनी कला में माहिर है। कॉम्पटीशन हर जगह है वही इंस्टाग्राम पर भी देखा गया कि नोरा ने फ्रेंच मांटेना को पछाड़ा दिया है।

मांटेना नंबर 1 पर खिसके

13 मिलियन फॉलोवर्स का पल्ला पार कर लिया है। अब नोरा मोरोक्कन सेलेब्रिटीज में नंबर एक पर है तो वही मांटेना नंबर 2 पर खिसक गए है। नोरा कहती है मेरा इंस्टा परिवार मजबूत हर रोज बढ़ रहा है, मुझे इस बात का गर्व है कि यह ओर्गानिक हो रहा है! दुनिया में सबसे अधिक फॉलो किया जाने वाला मोरक्कन कलाकार होना यह एक बड़ी उपलब्धि है! मेरे सभी फॉलोअर्स और मेरे वफादार प्रशंसक आधार के लिए धन्यवाद!

फॉलोवर्स मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है, और उनके निरंतर समर्थन के लिए में बहुत आभारी हुं! नोरा ने हाल ही में टिक टॉक पर डेब्यू किया है और उन्होंने टिक टॉक पर भी बेहद कम समय मे 1 मिलियन फॉलोवर्स को पार किया है। यह सब को देखते हुए लगता है नोरा फतेही एक ग्लोबल स्टार बन गई है।

ऋतिक के साथ रहना एक्स वाइफ सुजैन को बहुत पसंद आया, लॉक डाउन में बढ़ रहा है लव !

कोरोना वायरस की वजह से करीब 2 महीने से देश में लॉकडाउन है। वायरस के कहर से बचने के लिए लोग अपने घरों में बंद हैं। इस दौरान ऋतिक रोशन अपनी एक्स वाइफ सुजैन के साथ लॉक डाउन हैं। पिछले 22 मार्च से सुजैन अपने दोनों बेटों के साथ ऋतिक के साथ रह रही हैं। कोरोना महामारी के दौरान सुजैन और ऋतिक ने मिलजुल कर ये फैसला किया कि वो दोनों बच्चों की खातिर साथ रहेंगे। ऋतिक और सुजैन दोनों ही बच्चों को इस दौरान किसी भी चीज कि कमी महसूस नहीं कराना चाहती थी। वही लॉकडाउन के बीच बच्चों को मम्मी-पापा दोनो का भरपूर प्यार मिल सके। ऋतिक के साथ रहते हुए सुजैन ने एक इंटरव्यू दिया है और बताया है कि वो और ऋतिक किस तरह से साथ रह रहे हैं। सुजैन ने बताया है कि," लॉकडाउन में हम दोनों अपने बच्चों को एंटरटेन कर रहे है। दो महीने से वो घर के अंदर ही लिहाजा उनका मन लगा रहे ऐसे में हम उनके साथ ज्यादा से ज्यादा वक्त बिता रहे हैं। लॉकडाउन के दौरान साथ रहने का फैसला हम दोनों का ही था। हम दोनो ने मिलकर ये फैसला लिया कि इस दौरान हमारा एक साथ एक घर में रहना बेहतर होगा, ये हमारे बच्चों के लिए भी सही रहेगा और उन्हें इस दौरान हम दोनो का प्यार मिलेगा । और हमने एक-दूसरे से ये भी वादा किया कि हम दोनों शांति और प्यार से रहेंगे। और फिर इसके बाद हमने लॉकडाउन पर अपना प्लान स्टार्ट किया।" सुजैन ने आगे बताया कि," पहले दिन हम दोनों ने बैठकर एक लिस्ट तैयार कि जो कि लॉकडाउन के बिच हमारे लिए जरुरी थी और फिर हमने टाईम-टेबल बनाया। इसी के साथ हमने एक्सरसाइज को भी अपने डेली रूटीन में शामिल किया। फिर उसके बाद धीरे-धीरे लॉकडाउन कि दिन बीतता चला गया। पिछले 45 दिनों से हम साथ रहे और बहुत प्यार और सम्मान के साथ वक्त बिता रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से सुजैन सोशल मीडिया पर जो पोस्ट शेयर कर रही है उससे पता चलता है कि सुजैन को ऋतिक के घर रहना रास आ रहा है। एक्स हस्बैंड के साथ लॉकडाउन होने का फैसला गलत नहीं था। ऋतिक के घर में अपने परिवार के साथ रहते हुए सुजैन बेहद खुश हैं। वो ऋतिक के घर को स्वीट होम का दर्जा दे चुकी हैं। वही सुजैन के आने से रितिक भी काफी खुश हुए है। उन्होंने सुजैन के आने कि जानकारी भी अपने इंस्टा पर एक लंबे-चौड़े पोस्ट के साथ शेयर किया था। उन्होनें लिखा था कि ,ऐसे समय में जब पूरा देश लॉकडाउन से गुजर रहा है। इस दौरान अपने बच्चों और माता-पिता से दूर रहने के बारे में मैं सोच भी नहीं सकता। ऐसे समय में दुनिया का एक साथ आना, सोशल डिस्टेंसिंग को बढ़ावा देना और कुछ हफ्तों का लॉकडाउन बेहद ही भावुक कर देने वाला है।' देखा जाए तो ऋतिक और सुजैन ने साथ में आकर उन लोगों के लिए मिसाल कायम की है ये तो हर कोई जानता है कि भले ही ऋतिक और सुजैन का तलाक हो गया है, लेकन सुजैन और ऋतिक दोनो बेहद अच्छे दोस्त बन गए हैं।

बच्चों को लेकर लॉस एंजिलिस पहुंचीं सनी लियोनी, बोलीं- वे वहां कोरोनावायरस से सुरक्षित रहेंगे

कोरोनावायरस महामारी के बीच सनी लियोनी पति डेनियल वेबर और तीनों बच्चों निशा, नूह और आशेर के साथ लॉस एंजिलिस पहुंच गई हैं। उनकी मानें तो वहां उनके बच्चे कोरोनावायरस से बिल्कुल सुरक्षित रहेंगे। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी एक फोटो शेयर की है, जिसमें वे तीनों बच्चों के साथ गार्डन में नजर आ रही हैं। फोटो के साथ उन्होंने सभी को मदर्स डे की शुभकामनाएं दी है, जो कि अमेरिका में आज मनाया जा रहा है। सनी ने लिखा है, सभी मांओं को मदर्स डे की शुभकामनाएं। जब जिंदगी में बच्चे आपकी प्राथमिकता होते हैं और सलामती बैक सीट ले लेती है। हम दोनों डेनियल और मुझे बच्चों को वहां ले जाने का मौका मिला, जहां हमें लगता है कि वे इस अदृश्य हत्यारे कोरोना वायरस से पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। घर से दूर लॉस एंजिलिस में हमारा घर और सीक्रेट गार्डन। मैं जानती हूं कि मेरी मां ने मुझसे ऐसा करने के लिए कहा होगा। आपकी बहुत याद आ रही हैं मां। हैप्पी मदर्स डे। डेनियल ने भी अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में यूएस पहुंचने की खबर की पुष्टि की है। उन्होंने अपनी एक फोटो शेयर करते हुए लिखा है, क्वारैंटाइन पार्ट 2 : ज्यादा बुरा नहीं। फोटो के कैप्शन में वेबर लिखते हैं, न्यू वाइब्स के साथ बेहतर हो रहा हूं। रविवार को सनी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें वे लॉकडाउन के बीच वर्कआउट करती नजर आ रही थीं।

वैदिकों का आश्रय बनें सरकार आचार्य श्री कुलदीप महाराज

पुष्पांजली टुडे न्यूज

सतना। से आचार्य श्री कुलदीप महाराज सतना के विज्ञवेदज्ञ आचार्य श्री ने जिले एवं प्रदेश के पुरोहितों एवं आचार्य वृत्ति से जुड़े से जुड़े अन्य कई आचार्यों से वीडियो काल एवं फोन पर वृत्ति के उन बिषय पर चर्चा की है।वैश्विकमहामारी एवं लाकडाउन के कारण यज्ञ पुराण विवाह आदि धार्मिक अनुष्ठान एवं देवप्रतिष्ठान बंद होने से पुरोहितों के सामने संकट खड़ा हो गया है। जहां इस समय पर वे सब अपने जीवन यापन की व्यवस्था बना लेते थे।वहीं आज परिवार चलाना कठिन है। आचार्य श्री ने मध्यप्रदेश शासन से निवेदन किया है कि आपका प्रत्येक कदम जनमानस के हित में है। अतः प्रदेश में जिले वार समस्त पुरोहितों एवं पुजारियों आचार्यों की ओर ऐसा कदम उठाया जाय जिससे इनका जीवन यापन संभव हो सके। आचार्य श्री ने प्रदेश के मध्यम वर्ग की ओर शासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि सरकार समाज के ऐसे मध्यम वर्ग की ओर दृष्टि रखकर सबका साथ सबका विकास चरितार्थ करने में सफल हो सकती है।आज भी हमारे प्रदेश में बहुत से ऐसे लोग हैं जो सरकार की किसी भी व्यवस्था का लाभ प्राप्त नहीं कर रहे हैं। जिसमें पुरोहित भी आते हैं। पुजारी ,मठमहंत,एवं अन्य वैदिक कर्मकाण्ड के साथ ज्यौतिषाचार्यो को लाभान्वित किया जाना न्याय संगत होगा। आचार्य श्री ने माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सहयोग की अपेक्षा की है।तथा आचार्यों को आशान्वित किया है। सरकार अवश्य ही जरूरी कदम उठायेगी।।जिले के प्रमुख धर्माचार्यों एवं महंतों की स्थिति से अवगत कराने हेतु आचार्य श्री ने समाचार पत्र में कहा कि यद्यपि हमारे मुख्यमंत्री जी की नजर से कोई बाहर नहीं है। फिर भी धीरज एवं संयम के साथ हम अपनी और आपसबकी बात माननीय तक पहुंचाने का प्रयास करें।।इस वर्ष कोई विवाह पुराण आदि संभव नहीं है। जिससे पुरोहितों का जीवन सामान्य रूप से चलता रहे ऐसे प्रयासों हेतु हम सब मध्यम वर्ग के लोग एवं पुरोहित मध्यप्रदेश शासन के आभारी रहेंगे।

कोरोना योद्धाओ में पुलिस की अहम भूमिका: सीएमओ

कोरोना वायरस के चलते सीएमओ दबोह थाना पुलिस को बांटे मास्क व सेनेटाइजर

दबोह(अर्पित गुप्ता)

नोबेल कोरोना वायरस के चलते मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर ने कोरोना वायरस के चलते उससे बचाव के लिए कोरोना योद्धाओं के रूप में दिन रात अपनी सेवाएं दे रहे दबोह थाने में पदस्थ थाना प्रभारी विजय सिंह तोमर समेत सभी पुलिसकर्मियों को मास्क व सेनेटाइजर वितरण किये।कोरोना से वचाव के लिए मास्क व सेनेटाइजर वितरण करने के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कहा कि कोरोना योद्धाओ में पुलिस की अहम भूमिका है जो दिन रात अपने कर्तव्यों का निर्वाहन कर हमारी सेवा में ततपर है।इस दौरान उन्होंने दबोह के समस्त नागरिकों से कोरोना वायरस के चलते अपील की है कि वह लॉकडाउन के दौरान अपने घरों ने ही रहकर नियमो का पालन करते हुए पुलिस का

सहयोग करें जिससे हम कोरोना की जंग जीत सके व खुद सुरक्षित रहे और दूसरों को रखें।उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए बार-बार अपने हाथों को हैंड वाश,साबुन और पानी से अच्छी तरह साफ करें।छींकते और खांसते समय अपने मुह व नाक को टिशु या रुमाल से ढंके।बुखार,खांसी,जुखाम होने पर तुरन्त डॉक्टर से संपर्क करें।डॉक्टर से मिलने के दौरान मुंह को मास्क,रुमाल आदि से ढंके।जिनमें खांसी,जुखाम,बुखार के लक्षण हो ऐसे व्यक्तियों से कम से कम 1-2 मीटर की दूरी बनाकर रखें एवं बचे।घर से हो सके तो कम बाहर निकले एवं बच्चों को भी बिल्कुल बाहर ना निकलने दे।

बड़ी मुश्किल से मिलता है चमन को दीदार पैदा...

केशव प्रसाद शर्मा ब्युरल

अम्बाह / नबागत डीआईजी राजेश हिंगणकर ने लॉकडाउन मे अम्बाह भ्रमण के

दौरान पत्रकार बार्ता मे उन्हौने कहा कि चम्बल जॉन के अन्दर कोई कितना बडा आदमी क्यो न हो यदि कानून का उल्लंगन करते पाया गया तो पुलिसिया कारबाई से बिल्कुल नही बचेगा महिलाये बालिकाओ की सुरक्षा के साथ साथ चम्बल में कानून ब्यबस्था बनाये रखना उनकी पहली प्राथमिकता है उक्त बाते डीआईजी चंम्बल जॉन राजेश हिगणकर जी ने अम्बाह पत्रकारो से बात करते हुऐ कही उनके साथ एसपी डा.असित यादव भी मौजूद थे मुरैना में क्राइम भिण्ड मे रेत जैसे मुद्दौ को लेकर आये दिन पैरशानी आती है जिसकी जानकारी मुझे अभी अभी मिली है जिस पर सही तरीके से पुलिसिंग करेगै !

नपैगे थाना प्रभारी-डीआईजी राजेश हिगणकर ने अपने कडे तेबर दिखाते हुऐ सभी थाना प्रभारियो को सचेत किया है कि काम मे लापरबाही बर्दास्त नही होगी जिस टीआई के क्षैत्र में अबैध कारोबार जैसे रेत, सट्टा, जुआ, शराब, मे शौहरत मिली तो बीट प्रभारी समझे उसके ऊपर पुलिसिया गाज जरूर गिरैगी आरोपियो को संरक्षण देने बाले पुलिस कर्मियो को नही छोडा जायेगा इसलिये बेहत्तर होगा कि अपने अपने काम पर ध्यान दे और जनता के बिश्बाश में खरा उतरे अगर लॉक डाउन के अन्तर्गत ड्यूटी में लापरबाही या चोराहो पर अबैध बसूली जैसी जानकारी मिली तो कारबाही निश्चित समझे तदौपरान्त 13 तारीख को सुबह भिण्ड मे रेतमाफियो के साथ साथ थाना प्रभारियो पर भी गाज गिर ही पडी कारबाही के दौरान रेतमाफियो की पनडुब्बी जलाकर नष्ट कर दी है रेत माफियॉ व पुलिस मे हडकम्प मच गया एक दिन मे ही माफिया भूमिगत होगये पूरे चंबल मे कई सालो बाद पुलिसियॉ कारबाही देखने को मिली है जनता के बिश्बाश मे अच्छा सुकून देखने को मिला है और भबिष्य मे अच्छे परिणामो की आशा है। भा.पु.से 2006 के आईपीएस अफसर श्री राजेश हिगणकर जी पूर्व मे पुलिस अकादमी सागर के उप पुलिस महा निरीक्षक के रूप मे पदस्थ थे वह कटनी, शिवपुरी, सतना, के सफलतम पुलिस महानिरीक्षक रह चुके है वह एडी के क्षैत्र मे महारथी हासिल है अपराधियो को उनके अपराध की सजा मिले यह उनकी पहली प्राथमिकता है उनकी जॉबाजी ओर बीरता को लेकर भारत के महामहिम द्वारा इनको बीरता पदक से भी सम्मानित किया गया है इन्होने पुलिस बिभाग को सदैब गौरान्बित किया है इन्हौने प्रदेश के जिलो में पुलिस अधीक्षक के पद पर और उप

महानिरीक्षक पद पर रहकर सदैब बरिष्ठ अधिकारियो के दिशा निर्देशो का पालन किया है इन्हौने पुलिस बिभाग की सेबा मे आने के बाद अपने कर्तब्य को प्रमुख माना ऐसे कर्तब्यशील अफसर को चम्बल की जनता तह दिल जय हिन्द करती है और अच्छे परिणामो की आशा करती है।

मुरैना, भिण्ड, श्योपुर, में 32 हजार से अधिक मजदूर लौटे अपने अपने गृह जिले में...

केशब प्रसाद शर्मा ब्युरी

मुरैना अम्बाह...चम्बल संभाग में प्रदेश के अन्य जिलों एवं अन्य राज्यों के अन्य जिलों में फंसे मजदूरों में से अभी तक 32 हजार 493 प्रवासी मजदूर अपने-अपने गृह जिलों में आ गये है। इनमें सर्वाधिक 14 हजार 385

प्रवासी मजदूर मुरैना जिले में आये। भिण्ड जिले में 12 हजार 15 और श्योपुर जिले में 6 हजार 93 मजदूर आयें है। चम्बल संभाग मुरैना,भिण्ड और श्योपुर जिलों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुरैना जिले में अभी तक प्रदेश के अन्य जिलों से 14 हजार 385 प्रवासी श्रमिक आए हैं, जिनमे सभी का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है,मध्यप्रदेश के अन्य जिलों से मुरैना में 8 हजार 625 एवं देश के अन्य राज्यों से 6 हजार 733 प्रवासी श्रमिक जिले में आयें हैं। इसके अलावा अन्य राज्यों एवं जिलों से मुरैना जिले की सीमा से होकर गुजरने वाले 17 हजार 742 लोंगो की स्क्रीनिंग की गई। इसके अलावा 9 हजार 117 लोंगो को मुरैना से स्क्रीनिंग करके प्रदेश के अन्य जिलों के लिये बसों द्वारा रवाना किया गया,,भिण्ड जिले में अभी तक 12 हजार 15 प्रवासी मजदूर आये,भिण्ड जिले में अभी तक प्रदेश के अन्य जिलों एवं अन्य राज्यों से 12015 श्रमिक आए हैं जिनमे सभी का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है। प्रदेश के अन्य जिलों से भिण्ड में 7060 एवं देश के अन्य राज्यों से 4955 ,कुल 12015 श्रमिक जिले में आयें हैं,श्योपुर जिले में अन्य राज्यों से आयें 6093 मजदूर श्योपुर जिले में मप्र के अलावा अन्य राज्यों से 6093 मजदूर 11 मई 2020 तक आ चुके है। इसके बावजूद भी राजस्थान के अलावा अन्य राज्यों से मजदूरों का आगमन जारी है। जिसमें श्योपुर जिले के 2490 एवं मप्र के विभिन्न जिलों के 3603 कुल 6093 मजदूर आ चुके है। जिनको जिला प्रशासन द्वारा श्योपुर के साथ प्रदेश के विभिन्न जिलों में आवश्यक सुविधाओं सहित बस के माध्यम से भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा चुकी है। कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मप्र के प्रवासी मजदूरों को प्रदेश के विभिन्न जिलों में 28 अप्रैल से 11 मई 2020 तक श्योपुर जिले के बॉर्डर सामरसा पर सभी सुविधाएं प्रदान की जाकर उनके घर बस से पहुंचाने की कार्यवाही सुनिश्चित की गई है। जिसमें प्रवासी मजदूर श्योपुर के 2490, झाबुआ के 87, बालाघाट के 06, बैतुल का 01, कटनी के 66, मण्डला के 03, मुरैना के 57, भिण्ड के 918, सिवनी के 51, डिण्डौरी के 452, छिंदवाडा का 01, विदिशा के 14, पन्ना के 262, रीवा के 18, शहडोल के 44, शाजापुर के 10, शिवपुरी के 196, सीधी के 71 मजदूरों को सभी सुविधाएं प्रदान की जाकर बस के द्वारा उनके घर पहुंचाये जा चुके है ! इसी प्रकार सतना के 33, उमरिया के 167, दमोह के 57, दतिया के 291, छतरपुर के 41, जबलपुर के 34, टीकमगढ के 65, आगर के 06, अनूपपुर के 08, ग्वालियर के 158, गुना के 225, अशोकनगर के 27, सागर के 43, सिंगरोली के 03, भोपाल के 25, देवास के 04, मदंसौर के 05, राजगढ के 03, इन्दौर के 09, उज्जैन के 09, पोरसा के 32 एवं धार का 01 इस प्रकार से कुल 6093 प्रवासी मजदूर श्योपुर जिले के बॉर्डर पर आकर स्क्रीनिंग, भोजन, पानी, शौचालय की सुविधा के बाद बस के माध्यम से उनके घर पहुचाने की व्यवस्था की जा चुकी है ...

15 व 16 मई को माँस-मछली का विक्रय हो सकेगा

पिलम्बर, इलेक्ट्रीशियन घरों पर जाकर मरम्मत कार्य कर सकेंगे

ग्वालियर। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने हेतु लागू लॉकडाउन के तहत जिले में 15 व 16 मई को माँस-मछली का विक्रय किया जा सकेगा। जबकि आगामी आदेश तक पिलम्बर, इलेक्ट्रीशियन, कारपेन्टर आदि ऑन कॉल पर घरों एवं प्रतिष्ठानों में जाकर मरम्मत कार्य कर सकेंगे। जिला मजिस्ट्रेट श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने इस संबंध में जारी आदेश में उल्लेख किया है कि ग्वालियर जिले में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के तहत 11 मई 2020 को जारी आदेश की समीक्षा उपरांत 15 व 16 मई को प्रात:7 बजे से प्रात:11 बजे तक माँस-मछली का विक्रय किया जा सकेगा। जबकि आगामी आदेश तक प्रात: 7 से शाम 5 बजे तक पिलम्बर, इलेक्ट्रीशियन, कारपेन्टर आदि ऑन कॉल पर घरों एवं प्रतिष्ठानों में जाकर मरम्मत कार्य कर सकेंगे। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा-188 एवं आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा-51 एवं 60 के अनुसार दण्डात्मक प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जायेगी।

प्रवासी श्रमिकों के लिए की गई ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था

ग्वालियर। कोरोना महामारी के दौरान लागू लॉकडाउन के तहत विभिन्न राज्यों में फँसे श्रमिकों को अपने घरों तक पहुँचाने का काम जारी है। जिला प्रशासन द्वारा ग्वालियर में विभिन्न राज्यों से मध्यप्रदेश के जिलों के एवं अन्य राज्यों के आए प्रवासी लगभग 50 हजार मजदूरों को संबंधित जिलों तक पहुँचाने के साथ उनके ठहरने, भोजन, पेयजल आदि के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। बाहर से आने वाले प्रवासी श्रमिकों को मालवा कॉलेज में अस्थाई रूकने, उन्हें भोजन, पेयजल की व्यवस्था कर स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा थर्मल स्क्रीनिंग एवं स्वास्थ्य जाँच कर संबंधित जिलों के लिये निर्धारित बसों से रवाना किया गया है। वर्तमान में 70 बसों की व्यवस्था की गई, जिसमें बाहर से आने वाले श्रमिकों को अपने गृह जिलों तक पहुँचने में परेशानी न हो।

मुख्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के हितग्राहियों को राशि अंतरित

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मंत्रालय से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के एक लाख 78 हजार 417 हितग्राहियों को कुल 451 करोड़ रूपए की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। इनमें से एक लाख 44 हजार 152 हितग्राहियों को आवास निर्माण की प्रथम किस्त के रूप में 25-25 हजार रूपये के मान से कुल राशि 360 करोड़ रूपये अंतरित की गयी। इसी प्रकार निर्माणाधीन आवासों के लिए 34 हजार 265 हितग्राहियों को द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ किस्त के लिए 91 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की गयी। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री मनोज श्रीवास्तव एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पक्का मकान-सबका सपना-इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हितग्राहियों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत में कहा कि हर व्यक्ति का सपना होता है कि उसका एक पक्का मकान हो। इसी सपने को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना संचालित की जा रही है, जिसके अंतर्गत 60 प्रतिशत राशि केन्द्र सरकार तथा 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाती है। प्रत्येक हितग्राही को कुल एक लाख 20 हजार रूपये की राशि किस्तों में दी जाती है। इसके अलावा शौचालय निर्माण के लिए 12 हजार रूपये की राशि अतिरिक्त रूप से प्रदान की जाती है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास निर्माण में कार्य करने के लिए मनरेगा से मजदूरी भी दी जाती है। अब तक प्रदेश में 18.85 लाख हितग्राहियों को योजना का लाभ दिया गया है जिसमें से 15.94 लाख हितग्राहियों के द्वारा अपने आवास पूर्ण कर लिये गये हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान को दिया धन्यवाद-मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आवास योजना के हितग्राहियों बड़वानी जिले के श्री धन्नालाल, भिण्ड के अनंतराम, देवास के मदन भारती, गुना के बद्री धाकड़, ग्वालियर के पंचम सिंह, मंदसौर के श्यामलाल, खुमान सिंह, शहडोल के मैथिलीशरण नामदेव, श्योपुर की द्वारिका बाई, छोटे, कल्लू, शिवपुरी के लखन, कलुआ, सिंगरौली के सवईलाल बैगा, रामलाल बैगा, उज्जैन के बाबूलाल, पूरनदास तथा बैतूल के युवराज उइके, मुनेष आदि से बातचीत की। सभी ने आवास के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान को हार्दिक धन्यवाद दिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक भी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने जिले में योजना की प्रगति की जानकारी मुख्यमंत्री श्री चौहान को दी।

विधायकों ने दी थी अधूरे मकानों की जानकारी-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हितग्राहियों को चर्चा के दौरान बताया कि उन्हें क्षेत्रीय विधायकों द्वारा यह जानकारी दी गयी थी कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बहुत से मकान अधूरे पड़े हैं क्योंकि हितग्राहियों को दूसरी एवं तीसरी किस्त नहीं मिली है। इस पर तुरंत कार्यवाही करते हुए आज हितग्राहियों को दूसरी और तीसरी किस्त भी भिजवायी गयी है। आप लोग अच्छा मकान बनवाएं।

20 साल से झोपड़ी में रहती थी, अब पक्का मकान मिला-रीवा जिले की हितग्राही श्रीमती रनिया जी ने बताया कि वे बच्चों के साथ 20 साल से टूटी-फूटी झोपड़ी में रहती थी। पक्का मकान उनके लिए एक सपना ही था।

ग्वालियर में 14348 मजदूरों को मनरेगा के तहत मिल रहा है रोजगार

ग्वालियर। कोरोना महामारी के दौरान आर्थिक संकट से गुजर रहे श्रमिकों की चिंता सरकार व जिला प्रशासन कर रहा है तथा ग्वालियर जिले के सभी 4 जनपदों में 1616 कार्यों पर जॉब कार्डधारी 14348 मजदूरों को मनरेगा के तहत चल रहे कार्यों में रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि आर्थिक संकट के दौर में अधिक से अधिक मजदूरों को रोजगार देने की सरकार की मंशा अनुरूप ग्वालियर जिला प्रशासन द्वारा लगातार मजदूरों को रोजगार दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। जिसके तहत ग्वालियर जिले में मनरेगा योजना अंतर्गत चल रहे विभिन्न 1616 कार्यों में जॉब कार्डधारी मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसमें आज दिनांक तक भितरवार जनपद में 5514 श्रमिक, डबरा जनपद में 3250 श्रमिक, घाटीगांव जनपद में 2834 श्रमिक एवं मुरार जनपद में 2750 श्रमिक सहित कुल 14348 श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

कार्यस्थल पर श्रमिकों को संक्रमण से बचाने के लिए की गई हैं विभिन्न व्यवस्थाएं-मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री वर्मा ने बताया कि कोविड-19 के संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए मनरेगा के तहत चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों में कार्य के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा पालन किया जा रहा है तथा मजदूरों को एनआरएल समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित मास्क एवं स्थल पर हाथ धोने के लिए साबुन आदि की व्यवस्था संबंधित ग्राम पंचायत द्वारा की जा रही है। जिससे मजदूरों में कोरोना के संक्रमण का खतरा ना रहे।

आशा एवं आशा सहयोगी के लिए प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी कौरव ने की ये मांग

प्रधानमंत्री समेत प्रमुख सचिव व अन्य को लिखा पत्र

भोपाल(अर्पित गुप्ता)। कोरोना वायरस की इस जंग में डंटकर खड़ी आशा एवं आशा सहयोगी के लिए प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मी कौरव ने मांग करते हुए पत्र लिखा है यह पत्र उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेड मप्र सीएम शिवराज सिंह,स्वास्थ्य मंत्री,स्वास्थ्य सचिव,प्रमुख सचिव,नेशनल हैल्थ मिशन संचालक आदि को पोस्ट के द्वारा भेजा।इस पत्र में उनके द्वारा मांग करते हुए कहा गया कि जैसा कि आपको विदित है कि आशा एवम सहयोगिनी कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर कोरोना सर्वेक्षण करना,सम्भावित का चिन्हांकन करना,परीक्षण के लिए अस्पताल भेजना,प्रतिदिन सूचना प्रदान करना,स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना, शासन के दिशा निर्देशों का पालन करवाना,जागरूक करना और कोरन्टीन किये लोगों का प्रतिदिन फॉलो अप करना जैसी जोखिम भरी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी कोरोना महामारी की परिस्थिति में भी बगेर किसी सुरक्षा संसाधन के पूर्ण निष्ठा एवम ईमानदारी से निर्वहन कर रही है।प्रदेश एवम देश की सरकार ने भी आशा एवम सहयोगिनी कार्यकर्ताओं को कोरोना योद्धा की संज्ञा दी है और कार्य कुशलता की सराहना की है लेकिन कोविड 19 के विरुद्ध देश के लिए समर्पण भाव से बिना वेतन के कार्य करने वाली प्रथम पंक्ति की आशा एवम सहयोगिनी कार्यकर्ताओं की अहम

भूमिका को अनदेखा करते हुए अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को दी जाने वाली 10000 रुपये की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि से वंचित रखा गया है।कोविड 19 महामारी के चलते भोपाल की 2 आशा कार्यकर्ता कोरोना से संक्रमित हुई हैं फिर भी सरकार व विभाग द्वारा लापरवाही बरतते हुए आज दिनाँक तक मध्यप्रदेश की 80000 आशा एवम सहयोगिनी का कोरोना टेस्ट नही करवाया गया है न ही क्षेत्रवासियों के सतत सम्पर्क में आने के कारण संक्रमण से बचाव के लिए सुरक्ष किट ही प्रदान की गई है।

निम्नलिखित तीन सूत्रीय मांगों पर अतिशीघ्र ध्यान दिया जाए-लक्ष्मी कौरव

1-कोविड-19 से निपटने में कार्यरत प्रथमपंक्ति आशा एवम सहगोगिनी कार्यकर्ता को सम्मानजनक अतिरिक्त राशि 10000 रुपये प्रोत्साहन के रूप में प्रदान की जाए।हमारे मध्यप्रदेश के ही इंदौर जिले में इस और ध्यान देने की कोशिश की गई है।

2-कार्यकर्ताओं को संक्रमण से सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शीघ्र ही सुरक्षा किट व आवश्यक मात्रा में सेनेटाइजर उपलब्ध करवाए जाए।

3-मध्यप्रदेश की सभी आशा एवम सहयोगिनी कार्यकर्ताओं का कोरोना टेस्ट करवाया जाए।

भारत में पहली बार होने वाले फीफा अंडर-17 महिला वर्ल्ड कप की तारीखें तय, अगले साल 17 फरवरी से 7 मार्च तक

- अंडर-17 महिला फुटबॉल वर्ल्ड कप इसी साल 2 से 21 नवंबर तक होना था, जो कोरोना के कारण टल गया
- यह टूर्नामेंट अब अगले साल 17 फरवरी से 7 मार्च के बीच होगा, जिसमें भारत समेत 16 टीमें शामिल होंगी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

फुटबॉल इंटरनेशनल फेडरेशन एसोसिएशन (फीफा) ने भारत में पहली बार होने वाले अंडर-17 महिला फुटबॉल वर्ल्ड कप की नई तारीखें तय कर दी हैं। यह टूर्नामेंट अगले साल 17 फरवरी से 7 मार्च के बीच खेला जाएगा। यह इवेंट इसी साल 2 से 21 नवंबर के बीच होना था, लेकिन पिछले ही महीने कोरोनावायरस के कारण इसे अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया था। महिला वर्ल्ड कप में भारत समेत 16 टीमें शामिल होंगी। मेजबान होने के कारण भारतीय टीम को क्वालिफाई करने की जरूरत नहीं पड़ी। टीम को सीधी एंट्री मिली। यह टूर्नामेंट देश में 5 जगह कोलकाता, गुवाहाटी, भुवनेश्वर, अहमदाबाद और नवी मुंबई में खेला जाना है। फाइनल नवी मुंबई में खेला जाएगा। फीफा के मुताबिक, इस टूर्नामेंट के जो नियम और मापदंड बनाए गए थे, वे नहीं बदले गए। इसके तहत 1 जनवरी 2003 या उसके बाद और 31 दिसंबर 2005 या उससे पहले जन्मे खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में शामिल होने की छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कारण बनी परिस्थितियों और फीफा कॉन्फेडरेशन कोविड-19 वर्किंग ग्रुप की सिफारिशों के बाद नई तारीखों का फैसला लिया गया है।

बुंदेसलीगा लीग के दौरान स्टेडियमों से दूर रहने की चेतावनी

बर्लिन। जर्मनी में शनिवार से शुरू हो रहे बुंदेसलीगा फुटबॉल लीग से पहले सरकार ने प्रशंसकों से कहा है कि वे खेल मैदानों के करीब न जायें। कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए ये मुकाबले खाली स्टेडियमों में होंगे पर देश में फुटबॉल की दीवानगी को देखते हुए माना जा रहा है कि फुटबॉल प्रशंसक अपनी टीमें का हौसला बढ़ाने स्टेडियमों के बाहर एकत्र हो सकते हैं। इसके साथ ही आयोजकों से यह भी कहा गया है कि अगर मैदान के बाहर अधिक संख्या में दर्शक एकत्रित हो जाते हैं तो मैच रोक दिये जाएंगे। लॉकडाउन समाप्त होने के बाद देश में बुंदेसलीगा लीग मुकाबलों की दो महीने बाद वापसी हो रही है। इससे यूरोप की अन्य लीग को भी मुकाबले शुरू करने का हौंसला मिलेगा हालांकि इसमें खतरे को देखते हुए पर्याप्त सावधानी भी रखनी होगी। यहां तीसरे स्थान पर कायम टीम आरपी लिपजिग शनिवार को फीबर्ग के साथ मुकाबला खेलेगी । जर्मनी में लॉकडाउन से पहले केवल एक मैच खाली स्टेडियम में खेला गया था। इसको देखते हुए इंट्रैक्ट फ्रैंकफर्ट ने भी ग्लैडबाख के खिलाफ होने वाले मैच से पहले अपने समर्थकों से संयम रखने की अपील की है। फ्रैंकफर्ट के खेल निदेशक फ्रेंडी बोबिच ने कहा कि हमने अपने प्रशंसकों से स्टेडियम से दूर रहने की अपील की है।

ब्रिटेन सरकार ने अनुमति दी, जून से शुरू हो सकती है प्रीमियर लीग फुटबॉल

लंदन। इंग्लैंड में अगले माह जून से प्रीमियर लीग फुटबॉल मुकाबले शुरू हो सकते हैं। इससे क्लबों की बचा हुआ सत्र पूरा करने की उम्मीदों को बल मिला है। सरकार ने खाली स्टेडियमों में एक जून से इन खेलों की बहाली की अनुमति दे दी है। इससे पहले शीर्ष 20 फुटबॉल क्लबों ने खेल को फिर से शुरू करने की योजना पर बातचीत की थी। कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए एक जून के बाद शुरू हो रहे इन खेलों के दौरान स्टेडियम में दर्शक नजर नहीं आयेंगे। वहीं मैच के दौरान खिलाड़ी भी सामाजिक दूरी का ध्यान रखेंगे। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा कि टीवी पर खेलों की वापसी से लोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा हालांकि खेल प्रेमियों को स्टेडियमों में जाकर मैच देखने के लिये अभी लंबा इंतजार करना पड़ सकता है क्योंकि नये दिशानिर्देशों में कहा गया है कि दर्शकों के सामने खेल तभी होंगे जब संक्रमणों की दर में कमी आयेगी।

धोनी ने भी कई बार मैदान पर आपा खोया; पर दूसरे कप्तानों की तुलना में बेहद शांत हैं: गंभीर

- पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर बोले- मैंने दो बार महेंद्र सिंह धोनी को वर्ल्ड कप में गुस्सा होते देखा है, पहला वाकया 2007 के टी-20 विश्व कप का
- ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा- हम अपने खेल से दर्शकों का मनोरंजन करने वाले खिलाड़ी चाहते हैं और धोनी ऐसा करते हैं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की पहचान 'कैप्टन कूल' के रूप में होती है। लेकिन उनके साथ खेलने वाले पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि धोनी भी इंसान हैं और उन्होंने भी कई बार अपना आपा खोया है। यह खुलासा पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर और इरफान पठान ने स्टार स्पोर्ट्स के शो 'क्रिकेट कनेक्टेड' में किया। गंभीर ने कहा कि लोग कहते हैं कि उन्होंने कभी धोनी को अपना आपा खोते हुए नहीं देखा, लेकिन मैंने दो बार ऐसा देखा है। यह वर्ल्ड कप 2007 और एक अन्य विश्व कप की बात है, जब हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। वे भी इंसान हैं और प्रतिक्रिया देना स्वाभाविक है। बाएं हाथ के इस पूर्व सलामी बल्लेबाज कहा कि

आउट होने के बाद धोनी ने बल्ला फेंक दिया: इरफान

पठान के मुताबिक, इस मैच के लिए दो टीमें बनाई गई थीं। बल्लेबाजी के दौरान धोनी को आउट दिया गया, जबकि उन्हें लगा कि वे आउट नहीं थे। इससे नाराज होकर धोनी ने पवेलियन लौटते वक्त अपना बल्ला फेंक दिया और ड्रेसिंग रूम में चले गए और प्रैक्टिस के लिए भी देरी से आए। टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने भी इस शो पर 2006-07 की घटना को याद किया, जब प्रैक्टिस के दौरान धोनी आउट दिए जाने पर नाराज हो गए थे। उन्होंने कहा कि एक वॉर्म अप मैच में दाएं हाथ के बल्लेबाजों को बाएं से और बाएं हाथ के बल्लेबाजों को दाएं हाथ से बैटिंग करनी थी।

आईपीएल में चेन्नई की तरफ से अगर किसी खिलाड़ी ने खराब फील्डिंग की या कैच छोड़ा तो उन्होंने फटकार लगाई है। हां, वह बहुत शांत रहते हैं। वह दूसरे कप्तानों की तुलना में काफी शांत हैं। कम से कम मेरी तुलना में तो वे काफी कूल हैं।

महिला वनडे वर्ल्ड कप के क्वालिफाई मुकाबले 3 से 19 जुलाई के बीच श्रीलंका में होने थे

महिला वनडे और पुरुष अंडर-19 वर्ल्ड कप के क्वालिफायर मुकाबले टले, जुलाई में होने थे

- पुरुष अंडर-19 वर्ल्ड कप 2022 के क्वालिफाई मैच 24 और 30 जुलाई को डेनमार्क निर्धारित थे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने कोरोनावायरस के कारण महिला वनडे वर्ल्ड कप 2021 और पुरुष अंडर-19 वर्ल्ड कप 2022 के क्वालिफाई मुकाबलों को टाल दिया है। आईसीसी ने इन अगली तारीख नहीं बताई है। महिला वर्ल्ड कप के लिए 10 टीमों के बीच सभी क्वालिफाई मुकाबले 3 से 19 जुलाई के बीच श्रीलंका में होने थे। जबकि अंडर-19 वर्ल्ड कप के मैच 24 और 30 जुलाई को डेनमार्क में निर्धारित थे। महिला वर्ल्ड कप अगले साल न्यूजीलैंड में 6 फरवरी से 7 मार्च के बीच होना है। इसके लिए क्वालिफाई मुकाबले 10 टीमों श्रीलंका, बांग्लादेश, आयरलैंड, नीदरलैंड, पाकिस्तान, पपुआ न्यू गिनी, थाइलैंड, अमेरिका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के बीच होना हैं। आईसीसी के प्रमुख क्रिस टेटली ने कहा, कोरोनावायरस के कारण दुनियाभर में यात्रा पर प्रतिबंध लगा है। स्वास्थ्य को लेकर भी गंभीर स्थितियां बनी हुई हैं। इन सभी पहलूओं पर गवर्निंग और पब्लिक हेल्थ अथॉरिटी से चर्चा और उनकी सलाह के बाद यह फैसला लिया गया। इन मुकाबलों की तारीख अगले आदेश पर बताई जाएगी।

भारतीय टीम को सीधे वर्ल्ड कप में एंट्री

भारतीय महिला टीम वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। हाल ही में आईसीसी की टेक्नीकल कमेटी ने महिला क्वालिफायर्स चैम्पियनशिप की तीन सीरीज को कैंसिल कर दी थी। वहीं, भारत-पाकिस्तान के बीच पिछले साल 3 मैच की सीरीज भी दोनों देशों के बीच तनाव के कारण नहीं हो सकी थी। चैम्पियनशिप रद्द करने के बाद ऑस्ट्रेलिया 37 पॉइंट के साथ टॉप पर रही। इंग्लैंड (29) दूसरे, दक्षिण अफ्रीका (25) तीसरे और भारत (23) चौथे पर रही। इस आधार पर टीम इंडिया को सीधे एंट्री मिली। इसके अलावा मेजबान न्यूजीलैंड को भी जगह मिली। अन्य तीन टीम का फैसला क्वालिफायर से होना है।

टी20 विश्वकप से महिला क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ी : पैरी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेटर एलिस पैरी के अनुसार इस साल हुए टी20 विश्व कप से महिला क्रिकेट के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ा है। पैरी के अनुसार यह विश्व कप कई प्रकार से अभूतपूर्व रहा। इस टूर्नामेंट ने जहां दर्शकों को अपनी तरफ आकर्षित किया वहीं इससे क्रिकेट की लोकप्रियता भी तेजी से बढ़ी है। एलिसा हैमस्ट्रिंग सर्जरी के कारण टूर्नामेंट के अंतिम मुकाबले नहीं खेल पाई थी, पर इसका उन्हें कोई पछतावा नहीं है क्योंकि यह टूर्नामेंट उनके या उनकी टीम के लिए नहीं बल्कि पूरे महिला क्रिकेट के लिए बेहद अहम था। भारत के खिलाफ हुआ इसका फाइनल मुकाबला महिला क्रिकेट का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मैच रहा था। एक प्रकार से महिला क्रिकेटरों के लिए यह माहौल पूरी तरह से अलग था क्योंकि ये खाली स्टेडियम में खेलने की आदी थीं। साथ ही कहूं तो यह टूर्नामेंट केवल मेरे लिए नहीं रहा। पैरी ने कहा, कभी कभार मैं टूर्नामेंट के बारे में सोचती हूं और विशेषकर फाइनल के बारे में तो मैं यह नहीं सोचती कि यह हमारी टीम को लेकर था। यह महिला क्रिकेट के बारे में था, जिसने अनौखा माहौल पैदा किया था।

नेशनल टेबल-टेनिस चैम्पियन मनमीत सिंह का निधन

18 साल की उम्र में वर्ल्ड नंबर-13 खिलाड़ी बने थे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

टेबल-टेनिस चैम्पियन मनमीत सिंह वालिया का 58 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने कनाडा के मोन्ट्रीयल में सोमवार को अंतिम सांस ली। मनमीत 2 साल से एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस (एएलएस) बीमारी से पीड़ित थे। इस बीमारी से मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। मनमीत टेबल टेनिस से संन्यास लेने के बाद कनाडा में ही बस गए थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। मनमीत ने अपना इलाज कोयंबटूर में भी करवाया था। मनमीत ने 80 के दशक में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। 1989 में वे नेशनल चैम्पियन बने। मनमीत ने तब हैदराबाद के एस श्रीराम को फाइनल में हराया था। 18 साल की उम्र में मनमीत वर्ल्ड रैंकिंग में 13वें नंबर पर पहुंच गए थे। उन्होंने 1980 में 8 बार के राष्ट्रीय चैम्पियन कमलेश मेहता के साथ एशियाई चैम्पियनशिप में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेला। इस टीम में उनके अलावा बी अरुण कुमार, मंजीत सिंह दुआ और वी चंद्रशेखर शामिल थे। टीम पांचवें स्थान पर रही थी। टेबल-टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीटीएफआई) के महासचिव एमणी सिंह ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि टेबल टेनिस परिवार के लिए दुखद क्षण है।

डिविलियर्स ने कोहली की तुलना फेडरर से की, स्मिथ को नडाल जैसा बताया

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने भारतीय कप्तान विराट कोहली की तुलना टेनिस स्टार स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर से की। डिविलियर्स ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को स्पेनिश टेनिस स्टार राफेल नडाल की तरह बताया। इंस्टाग्राम पर लाइव चैटिंग के दौरान डिविलियर्स ने कहा कि कोहली ने पूरी दुनिया में रन बनाए हैं, जबकि स्मिथ मानसिक तौर पर काफी मजबूत हैं। डिविलियर्स और कोहली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए 9 साल से साथ खेल रहे हैं। कोहली आरसीबी के कप्तान भी हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में स्मिथ नंबर-1 और कोहली दूसरे स्थान पर हैं। वहीं, फेडरर ने टेनिस में सबसे ज्यादा 20 और नडाल ने 19 ग्रैंड स्लैम जीते हैं। डिविलियर्स ने 2018 में क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। उन्होंने कहा, कोहली काफी ज्यादा नेचुरल बॉल स्ट्राइकर हैं। वे फेडरर की तरह हैं। स्मिथ की बात करें तो वे बिल्कुल नडाल के जैसे हैं। स्मिथ मानसिक तौर पर काफी मजबूत हैं। वे रन बनाने का तरीका निकाल ही लेते हैं। उनका खेल नेचुरल नहीं लगता, लेकिन वे रिकॉर्ड तोड़ने की क्षमता रखते हैं।

एसीबी ने कोच क्लूसनर सहित सहयोगी स्टाफ का वेतन घटाया

काबुल ■ एजेंसी

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने कोरोना महामारी के कारण हुए आर्थिक नुकसान को देखते हुए टीम के कोच और सहयोगी स्टाफ के वेतन में कटौती का फैसला किया है। इसके तहत मुख्य कोच लांस क्लूसनर के वेतन में 25 फीसदी की कमी की जाएगी। वहीं अगर अफगानिस्तान की टीम अगले महीने जून में जिम्बाब्वे का दौरा नहीं कर पायी तो यह कटौती 50 फीसदी तक पहुंच जाएगी। एसीबी के मुख्य कार्यकारी लुत्फुल्लाह स्टेनिकजई ने कहा, यह हमारी खर्चों में बचत करने की योजना का हिस्सा है क्योंकि लॉकडाउन के कारण कोई मुकाबले नहीं होने से बोर्ड की आय कम हुई है। इसी कारण हमने कोचों के वेतन में मई में 25 फीसदी कटौती की है। वहीं अगर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी नहीं होती तो जून में यह कटौती 50 फीसदी होगी। जब तक हमारी वित्तीय स्थिति हमें इजाजत देती है तब तक हम उन्हें पद पर बनाये रखेंगे। क्लूसनर के अलावा बल्लेबाजी कोच एच डी एकेरमैन और सहायक कोच नवरोज मंगल का वेतन भी कम किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार एसीबी ने अपने सभी केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों को 2020 की पहली तिमाही की राशि का भुगतान कर दिया है पर अगर आने वाले समय में जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच टी20 मैचों की श्रृंखला नहीं होती है तो उनके वेतन को भी कम किया जाना तय है।

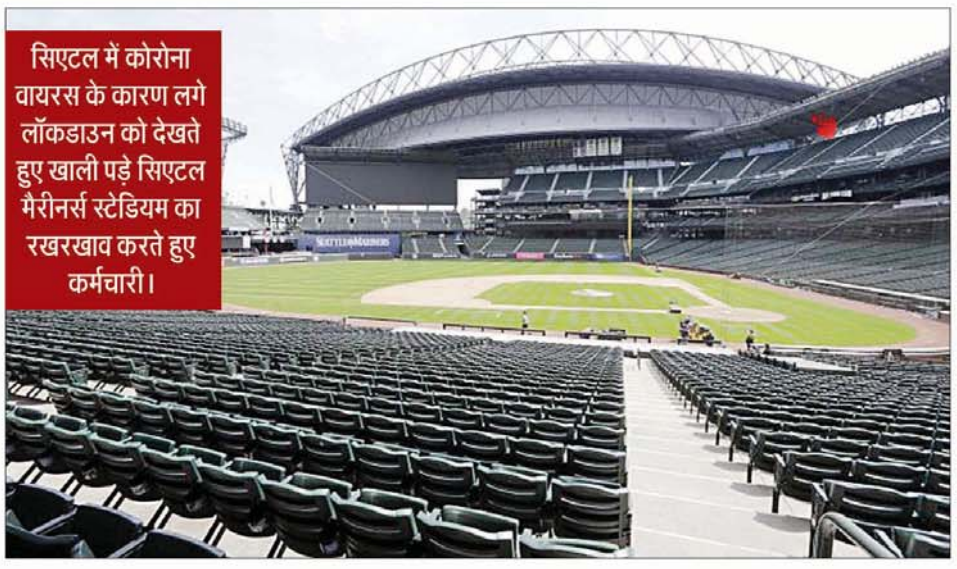

सिएटल में कोरोना वायरस के कारण लगे लॉकडाउन को देखते हुए खाली पड़े सिएटल मैरीनर्स स्टेडियम का रखरखाव करते हुए कर्मचारी।

टूर्नामेंटों को एक ही स्थान पर आयोजित करे बीडब्ल्यूएफ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद ने कहा है कि कोविड-19 को देखते हुए विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) खेल के सुचारू रूप से संचालन के लिए कुछ नये तरीके अपनाए। गोपीचंद के अनुसार इसके लिए एक स्थल पर अधिक टूर्नामेंटों का आयोजन किया जा सकता है। कोरोना वायरस की वजह से बीडब्ल्यूएफ ने ओलिंपिक क्वॉलिफायर्स सहित अपनी सभी प्रतियोगिताओं को जुलाई तक के लिए निलंबित कर दिया है। पूर्व ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियन गोपीचंद ने कहा, बीडब्ल्यूएफ को स्वास्थ्यकर्मियों से बात कर प्रारुप को संशोधित करने के साथ ही टूर्नामेंट के ढांचे को भी बदलना चाहिए। साथ ही कहा कि वह सब कुछ करना चाहिए जो कि जरूरी हो। वहीं अगर कुछ नया करने की जरूरत है तो उसे करो और खेल को आगे बढ़ाओ। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय सर्किट को बचाने के लिए बीडब्ल्यूएफ ने थॉमस और उबेर कप जैसी अहम प्रतियोगिताओं को अक्टूबर तक के लिए स्थगित करने के साथ ही भारत सहित सभी संबंधित देशों को निलंबित ओलिंपिक क्वॉलिफायर्स के लिए नई तारीखें तय करने को कहा था। गोपी ने कहा, मेरी चिंता यह है कि आप तिथियां बदलने की कोशिश कर रहे हो पर मुझे लगता है कि शायद सोच में बदलाव लाने की जरूरत है।

रिपोर्ट

पहला लॉकडाउन 25 मार्च से शुरू हुआ था, 25-29 वर्ष की आयु वाले 1.40 करोड़ युवाओं की नौकरी गई

लॉकडाउन के चलते अप्रैल में देश के 2.70 करोड़ युवाओं ने अपनी नौकरी गंवाई, पर बेरोजगारी दर में सुधार आया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश में जारी लॉकडाउन के बीच बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार हुए हैं। सेंटर फॉर मॉनीटियरिंग इंडियन इकोनॉमी ने बताया कि देश में 20 से 30 साल आयु वर्ग के 2 करोड़ 70 लाख युवाओं को अप्रैल में नौकरी से हाथ धोना पड़ा है।

बता दें कि कोरोनावायरस के संक्रमण को रोकने के लिए देश में 25 मार्च से लॉकडाउन की शुरूआत हुई थी। जो तीन अलग-अलग फेज से होते हुए अभी भी जारी है। करीब 50 दिनों के लॉकडाउन के बीच देश की कई कंपनियों और बिजनेस को घाटा हुआ है। सेंटर फॉर मॉनीटियरिंग इंडियन इकोनॉमी के उपभोक्ता पिरामिड घरेलू सर्वेक्षण के डेटा से पता चलता है कि नौकरी खोने वाले 11 फीसदी लोग 20-24 वर्ष की आयु के युवा थे। इसमें 2019-20 में कुल रोजगार पाने वालों लोगों का यह 8.5 फीसदी है।

2019-20 में 3 करोड़ 42 लाख युवा पुरुष और महिलाओं को रोजगार हासिल था। अप्रैल 2020 में इनकी संख्या घटकर 2 करोड़ 9 हजार रह गई। दूसरी तरफ, 25-29 वर्ष की आयु वाले 1 करोड़ 40 लाख युवाओं की नौकरियां चली गईं। इस उम्र वाले लोगों की 2019-20 में कुल रोजगार में 11.1 फीसदी हिस्सेदारी थी, लेकिन जॉब लॉस 11.5 फीसदी रहा। वहीं, 30 साल की उम्र के 3 करोड़ 30 लाख पुरुषों और महिलाओं ने अप्रैल में अपनी नौकरी गंवानी पड़ी। इसमें से 86 प्रतिशत नौकरियां पुरुषों की गईं।

बेरोजगारी दर में सुधार हुआ

इधर, सीएमआईई की वीकली रिपोर्ट के अनुसार, 10 मई को समाप्त हुए सप्ताह में बेरोजगारी दर में सुधार हुआ है। यह 27.1 फीसदी से घटकर 24 फीसदी पर आ गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान लेबर पार्टिसिपेशन 36.2 फीसदी से बढ़कर 37.6 फीसदी हो गया है। जो एरिया ग्रीन और ऑरेंज सर्कल में आ रहे हैं, वहां सरकार उद्योगों को धीरे-धीरे खोलने की अनुमति दे रही है। इससे रोजगार दर 26.4 फीसदी से बढ़कर 28.6 फीसदी हो गई है।

कर्ज चुकाने दिल्ली का बिजली वितरण कारोबार बेचना चाहते हैं अनिल अंबानी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले अनिल धीरुभाई अंबानी ग्रुप की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर अपना राजधानी दिल्ली का बिजली वितरण कारोबार बेचना चाहती है। दिल्ली की बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (बीआरपीएल) और बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (बीवाईपीएल) में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की 51-51 फीसदी हिस्सेदारी है। इस मामले से वाकिफ तीन सूत्रों के मुताबिक रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर इन दोनों कंपनियों में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचना चाहती है। इस मामले से वाकिफ सूत्रों के मुताबिक, इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर सीडीपीक्यू, एक्टिस एलएलपी और ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट ने रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के इस बिजली वितरण कारोबार की खरीदने की इच्छा जताई है। इसके अलावा ग्रीनको एनर्जी होल्डिंग्स, इनेल ग्रुप, आई स्कावयर्ड कैपिटल, टोरंट पावर एंड वेड कैपिटल ग्रुप एलएलसी ने भी इस सौदे में रुचि दिखाई है। लाइव मिंट की रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्टर ने इस हिस्सेदारी के बेचने के लिए खरीदार तलाशने की जिम्मेदारी केपीएमजी को सौंपी है। राजधानी दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियों में शुमार बीएसईएस राजधानी और बीएसईएस यमुना के पास करीब 4.4 मिलियन यानी 44 लाख ग्राहक हैं। राजधानी दिल्ली में 2002 में बिजली वितरण का निजीकरण किया गया था। तब दिल्ली का बिजली वितरण तीन कंपनियों बीआरपीएल, बीवाईपीएल और टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड को सौंपा गया था। इन सभी कंपनियों में दिल्ली पावर लिमिटेड की 49 फीसदी हिस्सेदारी है। इसके अलावा राजधानी दिल्ली में कैंट क्षेत्र में मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेज और नई दिल्ली म्यूनिसिपिल कॉरपोरेशन बिजली वितरण का कार्य करती हैं।

मुरावली सरपंच ने बांटे मास्क बोले घरों में रहो

दबोह(अर्पित गुप्ता)

दबोह क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मुरावली में कोरोना वायरस संक्रमण के चलते उसकी रोकथाक के लिए शासन के निर्देशानुसार मुरावली ग्राम पंचायत सरपंच जितेंद्र सिंह कौरव ने अपनी पंचायत में घर घर जाकर लोगो को मास्क बांटें।वहीं सरपंच जितेंद्र सिंह कौरव ने ग्राम पंचायत की से घर घर जाकर कोरोना-19 कोरोना के संक्रमण से बचने के उपाय भी बताये गए।उन्होंने कहा कि मुरावली ग्राम पंचायत की जनता से कोरोना वायरस के चलते अपील की है कि खुद सुरक्षित रहे और दूसरों को रखें।उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए बार-बार अपने हाथों को हैंड वाश,साबुन या पानी से अच्छी तरह साफ करें।छींकते और खांसते समय अपने मुह व नाक को टिशु या रुमाल से ढंके।बुखार,खांसी,जुखाम होने पर तुरन्त डॉक्टर से संपर्क करें।डॉक्टर से मिलने के दौरान मुंह को मास्क,रुमाल आदि से ढंके।जिनमें खांसी,जुखाम,बुखार के लक्षण हो ऐसे व्यक्तियों से कम से कम 1-2 मीटर की दूरी बनाकर रखें एवं बचे।घर से बाहर न निकले एवं बच्चों को भी बिल्कुल बाहर ना निकलने दे।भीड़भाड़ वाली जगह पर जाने से बचें और अनावश्यक यात्राएं ना करें।

बाहर से आये लोगो को किया होम क्वारनटाइन-ग्राम पंचायत मुरावली में कोरोना वायरस के चलते बाहर से आये हुए सैंकड़ो लोगों को मुरावली सरपंच द्वारा होम क्वारनटाइन किया गया।होम क्वारनटाइन करने के दौरान उनके घरो के बाहर दीवाल लेखन किया गया और उन्हें 14 दिनों तक घरो में ही रहने की हिदायत भी दी गई।इस दौरान उनके साथ पंचायत सचिव कन्हैया लाल बघेल,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रामवती सोनी, ऊषा सोनी कार्यकर्ता, नीतू कौरव कार्यकर्ता, राममूर्ति आशा कार्यकर्ता, कोटवार चिंटू आदि उपस्थित रहे।

साफ-सफाई हेतु 14, 15 व 16 मई को चार घंटे के लिये व्यवसायिक प्रतिष्ठान खुलेंगे

ग्वालियर। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने हेतु 17 मई 2020 तक लागू लॉकडाउन के दौरान दुकानें एवं संस्थान बंद होने से दुकानों में रखे सामान के क्षतिग्रस्त होने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने कॉन्फ्रेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) एवं म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों एवं व्यवसायिक संगठनों के पदाधिकारियों के आग्रह पर दुकानों की साफ-सफाई हेतु 14, 15 व 16 मई को चार घंटे के लिये अलग-अलग व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को खोलने की अनुमति दी है। जिला मजिस्ट्रेट श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह द्वारा इस संबंध में जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि 14 मई को प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक फुटवियर (चप्पल-जूता) एवं लोहा व्यवसाय, 15 मई को प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक कपड़ा व्यवसाय (थोक एवं खेरीज) और 16 मई को प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक रेडीमेड गारमेन्ट्स एवं हौजरी की दुकानों को साफ-सफाई हेतु खोलने की अनुमति दी गई है।

मंथन आत्मचिंतन से आत्मनिर्भरता की ओर कोरोना का नहीं रोयेंगे रोना

आपदा से लड़कर बनायेंगे नये अवसर, बदलेंगे स्वभाव तो बढेगा इण्डिया

ग्वालियर। कुछ इसी तर्ज पर चेम्बर में नियमित रूप से मंथन के अंतर्गत विभिन्न वर्ग जिसमें, उद्योगपति, व्यापारी, होटल इण्डस्ट्री, लाइट, टेंट एवं केटरर्स इण्डस्ट्री, लघु एवं कुटीर उद्योग स्वदेशी अपनाने वाली बातों पर विचार किया जायेगा इसके अंतर्गत एक भाग जो शासन/प्रशासन स्तर पर व्यापारी-उद्योगपति को जो सहायता चाहिए, नीतियों में परिवर्तन की आश्यकता है, इस पर काम किया जायेगा।

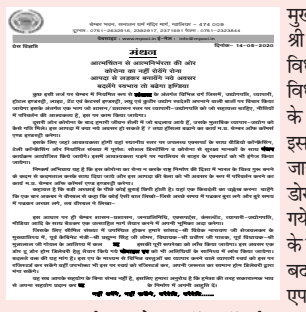

दूसरी ओर कोरोना के बाद हमारी जीवन शैली में जो बदलाव आये हैं, उसके मुताबिक व्यापार-उद्योग को कैसे गति मिले। इस आपदा में क्या नये अवसर हो सकते हैं ? तथा हौंसला बढाने का कार्य म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री करेगा। कहावत है कि बड़ी अच्छाई के पीछे कोई बुराई छिपी होती है। यहां एक किवदंती का उल्लेख करना चाहेंगे कि एक बार अकबर ने वीरबल से कहा कि कोई ऐसी बात लिखो-जिसे अच्छे समय में पढकर बुरा लगे और बुरे समय में पढकर अच्छा लगे, तब वीरबल ने लिखा-

''यह वक्त गुजर जायेगा''-इस आधार पर ही चेम्बर शासन-प्रशासन, जनप्रतिनिधि, एक्सपर्ट्स, कंसल्टेंट, व्यापारी-उद्योगपति, मीडिया आदि के साथ बैठकर एक उत्साहित मार्ग तैयार करने में अपनी भूमिका अदा करेगा। जिसके लिए सीमित संख्या में उपस्थित होकर हमारे सांसद-श्री विवेक नारायण जी शेजवलकर के मुख्यातिथ्य में, पूर्व कैबिनेट मंत्री-श्री प्रद्युम्न सिंह जी तोमर, विधायक-श्री प्रवीण जी पाठक, पूर्व विधायक-श्री मुन्नालाल जी गोयल के आतिथ्य में कल 15 मई को इसकी पूरी रूपरेखा को लॉच किया जायेगा7 इस अवसर एक डोर टू डोर होम डिलेवरी हेतु तैयार किये गये मोबाइल एप को भी अतिथियों के सानिध्य में लांच किया जायेगा7 बदलते वक्त की यह मांग है7 इस एप के माध्यम से विभिन्न वस्तुओं का व्यापार करने वाले व्यापारी स्वयं को इस पर रजिस्टर्ड कर सकेंगे वहीं उपभोक्ता भी इस पर स्वयं को रजिस्टर्ड कर, अपनी जरूरत का सामान होम डिलेवरी द्वारा मंगा सकेंगे। यह सब आपके सहयोग के बिना संभव नहीं है, इसलिए हमारा अनुरोध है कि हमेशा की तरह सकारात्मक भाव से अपना सहयोग प्रदान कर नया भारत, श्रेष्ठ भारत के निर्माण में अपनी आहुति दें।

नहीं थमेंगे, नहीं रूकेंगे,
चरैवेति, चरैवेति.....

15 व 16 मई को उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न के साथ दाल भी वितरित होगी

ग्वालियर। शासन के निर्देशानुसार ग्वालियर नगर के 66 वार्डों में लॉकडाउन के दौरान चरणबद्ध रूप से शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है। 15 व 16 मई 2020 को नगर के वार्ड क्रमांक-2, 22, 24, 28, 33, 36, 44, 49, 50, 54, 55, 66 तथा छावनी बोर्ड मुरार के 1 से 7 में स्थित सभी शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न का वितरण किया जायेगा।

अपर कलेक्टर श्री टी एन सिंह ने बताया कि उक्त वार्डों तथा छावनी बोर्ड मुरार की 1 से 7 तक की उचित मूल्य की दुकानों से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत ऐसे हितग्राहियों को खाद्यान्न प्रदान किया जा रहा है जो बीपीएल एवं पात्रता पर्ची वाले हितग्राही तथा सामान्यतः संबंधित शासकीय उचित मूल्य की दुकान से नियमित रूप से राशन प्राप्त करते हैं। उन्हें योजना के तहत खाद्यान्न वार्ड की सभी उचित मूल्य की दुकानों से वितरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त इसी योजना के तहत प्रति परिवार एक किलो चना दाल भी वितरित की जायेगी। कोरोना वायरस (कोविड-19) के तहत खाद्यान्न का वितरण वार्ड की चिन्हित केवल एक दुकान से वार्ड के समस्त ऐसे हितग्राहियों को वितरित किया जायेगा, जिनकी सूची शासन से प्राप्त हुई है। प्राप्त सूची संबंधित दुकान पर चस्पा कर प्रदर्शित की गई है तथा संबंधित वार्ड के पार्षद को प्रदाय की गई है। जिससे प्राप्त सूची के अनुरूप हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राप्त हो सकें।

चिकित्सा महाविद्यालय दतिया के सहायक प्राध्यापक डॉ. महेन्द्र भारती निलंबित

ग्वालियर। संभाग आयुक्त श्री एम बी ओझा ने चिकित्सा महाविद्यालय दतिया के चेस्ट एवं टीबी रोग के सहायक प्राध्यापक डॉ. महेन्द्र भारती को शासकीय कार्य एवं अपने पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में उदासीनता बरतने के कारण म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

फेस पेंटिंग के माध्यम से दिया जागरूकता संदेश

कृतिका राठौड़

ग्वालियर। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते एक ओर जहां हर स्तर से शासन प्रशासन आमजनता को जागरूक कर रहा है तो वहीं भारत की बेटियां भी किसी से कम नही है।हम बात कर रहे हैं ग्वालियर शहर के कमला राजा शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक की जो लॉक डाउन का पालन करते हुए वैश्विक महामारी कोरोना के रोकथाम के लिए घर में पोस्टर, वीडियो,डिजिटल पोस्टर,स्लोगंस आदि को सोशल मीडिया के माध्यम से अपने मित्रों,परिवारों तथा देशवासियों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं।यशी, रितिका, पूनम सभी स्वयं सेविकाओं के साथ इन कार्यों में मदद कर रही है।यशी ने बताया कि आज कल लोग सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव रहते हैं और लोगो को जागरूक करने के लिए लॉकडाउन का पालन कर इससे अच्छा कोई प्लेटफॉर्म नही हो सकता है, वही रितिका ने दुकानों के बाहर जाकर चूने से गोले बनाए हैं जिससे सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो इसलिए सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जा सकता है। इस अभियान में यशी चंद्रा,पूनम पाल, रितिका पैंगोरिया,पूनम धाकड,कामिनी,योगिता,सुकृति आदि स्वयंसेवक अपना योगदान प्रदान कर रहे हैं।

श्रमिक धैर्य रखें, सबको पहुँचाया जायेगा

तीन दिनों में बिजासन सीमा से करीब 15 हजार श्रमिकों को बसों से पहुँचाया

अब दो लाख 26 हजार श्रमिक बस और 86 हजार ट्रेन से वापस लाये गये

भोपाल। मध्यप्रदेश के लिये श्रमिकों को उनके स्थान तक पहुँचाने की चुनौती अन्य राज्यों की तुलना में थोड़ा अधिक है। एक ओर अन्य प्रदेशों में फँसे मध्यप्रदेश के श्रमिकों को सुरक्षित उनके घरों तक पहुँचाना है, तो दूसरी ओर दूसरे प्रदेशों के श्रमिकों को जो मध्यप्रदेश से ट्रांजिट कर रहे हैं, उन्हे उनके राज्यों की सीमा तक पहुँचाना है। देश का हृदयप्रदेश होने के कारण महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान आदि राज्यों से उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखण्ड जाने वाले श्रमिक मध्यप्रदेश होकर गुजर रहे हैं। यह पैदल यात्रा अथवा अन्य साधनों से मध्यप्रदेश की सीमा पर पहुँचते हैं। सबसे अधिक दबाब सेंधवा की सीमा पर बिजासन घाट पर है। वहां प्रतिदिन 5 से 6 हजार मजदूर पहुँच रहे हैं। इन श्रमिकों को भोजन, चिकित्सा परीक्षण के बाद निःशुल्क बसों के माध्यम से देवास ट्रांजिट पर पहुँचाया जा रहा है। वहां से सागर, छतरपुर, गुना और शिवपुरी बसों से पहुँचाया जाता है। इन स्थानों से प्रदेश के दूसरे जिलो के श्रमिकों को उनके जिले में और उत्तरप्रदेश, झारखण्ड तथा बिहार के श्रमिकों को उत्तरप्रदेश की सीमा तक पहुँचाया जा रहा है। सेंधवा सीमा पर पिछले तीन दिनों में लगभग 15 हजार श्रमिकों को भोजन करवा कर उन्हें बसों के माध्यम से देवास होते हुए उनके गंतव्य की ओर भेजा गया है। श्रमिकों की संख्या काफी अधिक होने से बसों की संख्या और फेरे बढ़ाने की सतत कोशिशें की जा रही हैं। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्रमिकों से अपील की है कि वे धैर्य रखें। उनको भोजन और चिकित्सा जांच के उपरांत बसों में निःशुल्क पहुंचाया जाएगा। संकट की इस घड़ी में घबराये नहीं, मध्यप्रदेश सरकार एक-एक श्रमिक को घर पहुँचाएगी। मध्यप्रदेश के सीमावर्ती जिलो में श्रमिकों के लिये भोजन, अस्थायी ठहरने, चिकित्सा जांच और बसों की व्यवस्था की गयी है। यह व्यवस्था तब तक जारी रहेगी, जब तक आने वाले सभी श्रमिकों को उनके गंतव्य तक पहुंचा नहीं दिया जाएगा। कुछ ऐसे मामले प्रकाश मे आ रहे हैं जहाँ मजबूरी में श्रमिक पैदल अथवा अन्य साधनों से यात्रा कर रहे हैं। ऐसे श्रमिकों से भी अपील है कि मध्यप्रदेश के जिस जिले में हो, वहां जिला प्रशासन तक पहुंचने अथवा खबर पहुँचाने की व्यवस्था करें। उनकी पूरी मदद की जाएगी। प्रदेश के अब तक 3 लाख 12 हजार 509 श्रमिक वापस आ चुके हैं।

सड़क परिवहन से दो लाख 26 हजार 803 श्रमिक वापस आये-अपर मुख्य सचिव एवं प्रभारी स्टेट कंट्रोल रूम श्री आई.सी.पी. केशरी ने जानकारी दी है कि सड़क परिवहन के माध्यम से 22 अप्रैल से 14 मई तक कुल दो लाख 26 हजार 803 श्रमिक वापस लाये गये।

रेडजोन से आने वाले लोगों को 100 प्रतिशत क्वारेंटाइन किया जाए : चेम्बर

चेम्बर ने जिलाधीश महोदय को लिखा पत्र

ग्वालियर। रेड जोन से आने वाले लोगों को 100प्रतिशत क्वारेंटाइन किए जाने के संबंध में होटल संचालकों के साथ बनी सहमति के संबंध में चेम्बर ने जिलाधीश महोदय को पत्र प्रेषित किया है। चेम्बर अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया गया है कि चतुर्थ लॉकडाउन की घोषणा और वर्तमान स्थिति में भारतीय नागरिकों के गंतव्य स्थान तक पहुंचने में सरकार की शिथिलता से ग्वालियर जिले में भी हजारों लोग बाहर से आ-जा रहे हैं7 वर्तमान में यह निश्चित है कि ग्वालियर क्षेत्र में कोरोना ने पांव नहीं पसारे हैं, जितने भी कोरोना रोगी आज तक मिले हैं वह माइग्रेट होकर आए लोग ही हैं7 इसलिए भविष्य में ग्वालियर में भी व्यवसायिक और औद्योगिक गतिविधियां बढेंगी इससे एक भी कोरोना रोगी अगर संपर्क में आया तो कम्यूनिटी स्प्रेड होने का खतरा है, इसके लिए आवश्यक है कि बाहर से आ रहे लोगों को 100त्न क्वारेंटाइन किया जाये7 इसमें रेड जोन से आने वाले लोगों को 100त्न इंस्टीट्यूशनल क्वारेंटाइन किया जावे7 इसके लिए जो सक्षम हैं उनको होटल में पेड क्वारेंटाइन किया जावे। इस हेतु होटल संचालकों के साथ बैठकर चर्चा की गई जिसमें निम्नानुसार सहमति बनी है।

1. प्रति सदस्य 999+500 (ए.सी. चार्ज) प्रतिदिन एडवांस में क्वारेंटाइन होने वाला व्यक्ति देगा।
2. होटल संचालकों द्वारा 20 प्रतिशत रूम, डॉक्टर्स/हेल्थ वर्कर्स, पुलिसकर्मी एवं विद्युत कर्मियों के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराए जायेंगे।
3. होटल के द्वारा केवल 2 टाइम चाय व पानी की व्यवस्था की जायेगी।
4. खाना ठहरने वाले के घर से आयेगा जो काउंटर पर लेकर होटल कर्मी द्वारा ठहरे हुए व्यक्ति के कमरे के बाहर रखकर बेल बजाकर दे दिया जायेगा।

चेम्बर ने पत्र के माध्यम से मांग की है कि उक्त प्रस्ताव से रेड जोन से आने वाले व्यक्ति को ठहराने की जगह के लिए प्रशासन पर जो स्थानीय लोगों का दबाव होता है, उसका समाधान हो सकेगा और पिछले 2 माह से बंद पड़ी होटल इण्डस्ट्री को भी आर्थिक सहयोग प्राप्त हो सकेगा।

आकाश बरूआ बने रोट्रेक्ट रीगल के अध्यक्ष

(अर्पित गुप्ता)

ग्वालियर। रोट्रेक्ट क्लब ऑफ ग्वालियर रीगल द्वारा सभी सदस्यों सर्वसहमति से आकाश बरुआ नेतृत्व क्षमता को देखते हुए 2020-21 के लिए शहर के युवा समाजसेवी आकाश बरूआ को पुनः अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत किया गया है।जल्द ही वह अपनी कार्यकारिणी घोषित करेंगे युवाओं के लिए उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों की रोटरी,रोट्रेक्ट तथा वरिष्ठ समाजसेवीयों ने सराहना की है तथा आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी है।

कक्षा 9वीं और 11वीं के विद्यार्थियों को मिलेगा जनरल प्रमोशन

ग्वालियर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कोरोना संक्रमण की गंभीरता को देखते हुए सत्र 2019-2020 के कक्षा 9वीं और 11वीं के विद्यार्थियों का प्रोन्नत (जनरल प्रमोशन) किया गया है। इस संबंध में आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती जयश्री कियावत द्वारा सभी संभागों के संयुक्त संचालक एवं सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। श्रीमती कियावत ने कहा है कि प्रदेश के समस्त शासकीय हाई एवं हायर सेकण्डरी विद्यालयों में सत्र 2019-2020 के कक्षा 9वीं और 11वीं के 23 मार्च को घोषित किए गए परीक्षा परिणाम में पूरक पात्रताधारी विद्यार्थियों को इस अप्रत्याशित संक्रमण काल में प्रोन्नत कर उत्तीर्ण घोषित किया जाए। साथ ही सभी अशासकीय विद्यालयों में जहां 19 मार्च अथवा उससे पहले 9वीं एवं 11वीं की वार्षिक परीक्षाएँ संपन्न हो चुकी हैं तथा परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हों अथवा न किए गए हों, 9वीं एवं 11वीं के सभी विद्यार्थियों को प्रोन्नत (जनरल प्रमोशन) कर उत्तीर्ण घोषित किया जाए। पूरक पात्रताधारी विद्यार्थियों को यथा स्थिति में कक्षा 9वीं से 10वीं तथा कक्षा 11वीं से कक्षा 12वीं में प्रवेश मान्य किया जाए ताकि विद्यार्थी एकाग्रचित्त होकर अगली कक्षा की तैयारी प्रारंभ कर सकें। सभी स्कूलों के ऐसे विद्यार्थियों को परीक्षा फल प्रगति-पत्रक/अंकसूची/स्थानांतरण प्रमाण-पत्र में वार्षिक परीक्षा परिणाम के समक्ष प्रोन्नत (जनरल प्रमोशन) के संबंध में पृथक रंग की स्याही से या सील द्वारा अंकित करते हुए प्राचार्य अथवा संकुल प्राचार्य की पदमुद्रा सहित हस्ताक्षर किए जाएं। पूरक पात्रताधारी विद्यार्थियों को इस संबंध में सूचित कर उन्हें अगली कक्षा के व्हाट्सएप ग्रुप डिजी लेप में जोड़कर अगली कक्षा की पढ़ाई के लिये प्रेरित करें।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478